CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-06
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
आत्मविश्वास ही आत्मनिर्भरता का स्रोत है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 12 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

मुंबई की तरह अन्य शहरों में भी हमले की साजिश रच रहा था तहव्वुर राणा, एनआईए का दावा

26/11 के हमले का क्राइम सीन रिक्रिएट होगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली की अदालत में सुनवाई के दौरान कहा कि तहव्वुर राणा ने मुंबई की तरह ही देश के अन्य शहरों में भी आतंकी हमले की साजिश रच रहा था। एनआईए ने विशेष जज चंद्रजीत सिंह की अदालत में यह दावा किया। सुनवाई के बाद जज ने तहव्वुर राणा को 18 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया। जज चंद्रजीत सिंह ने अपने आदेश में एनआईए को निर्देश दिया कि वे हर 24 घंटे में तहव्वुर राणा की मेडिकल जांच कराएं और उसे वैकल्पिक दिनों पर अपने वकील से मिलने की इजाजत दी जाए। हालांकि यह मुलाकात एनआईए अधिकारी की मौजूदगी में ही होगी। एनआईए अधिकारी को तहव्वुर राणा और उसके वकील की मुलाकात के दौरान कुछ दूरी पर खड़े होना होगा, लेकिन सिर्फ इतनी दूरी कि वह दोनों की बात सुन सके। सुनवाई के दौरान एनआईए ने तर्क दिया कि मुंबई हमले की पूरी साजिश को बेनकाब करने के लिए विस्तृत पूछताछ की जरूरत होगी और उसे हमले वाली जगहों पर लेकर जाने की जरूरत होगी ताकि क्राइम सीन को रिक्रिएट किया जा सके। एनआईए के डीआईजी, एक आईजी और दिल्ली पुलिस के पांच डीसीपी सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद रहे। तहव्वुर राणा को गुरुवार को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाया जाना, भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि साल 2008 के मुंबई आतंकी हमले में 166 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इस हमले में कई पुलिसकर्मी शहीद हुए थे, जिसमें मुंबई पुलिस के तीन बड़े अधिकारी भी शामिल थे। पाकिस्तान से आए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने इस भीषण हमले को अंजाम दिया था। इनमें से एक आतंकी अजमल कसाब को जिंदा भी पकड़ा गया था, जिसे साल 2012 में फांसी दे दी गई।

'आतंक के राणा' से पूछताछ शुरू

26/11 मुंबई आतंकी हमले के प्रमुख आरोपियों में से एक तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को पूछताछ शुरू कर दी है। अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद गुरुवार देर रात दिल्ली लाए गए राणा को विशेष ठकअ कोर्ट ने 18 दिनों की हिरासत में भेजा है। एनआईए मुख्यालय में एक उच्च-स्तरीय टीम राणा से सवाल-जवाब कर रही है, जिसमें 26/11 हमले की साजिश, उनकी भूमिका और अन्य आतंकी नेटवर्क से संबंधों पर फोकस है। आतंकी हमले के आरोपी अजमल कसाब के बचाव पक्ष के वकील अब्बास काजमी ने कहा कि ऐसी संभावना है कि तहव्वुर राणा से पूछताछ के बाद 26/11 मुंबई आतंकी हमले के अन्य सह-षड्यंत्रकारियों के नाम सामने आ सकते हैं।

ईमेल समेत कई पुख्ता सबूत पेश किए

एनआईए ने 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा की पुलिस हिरासत को सही ठहराने के लिए उसके द्वारा भेजे गए ईमेल समेत कई पुख्ता सबूत पेश किए थे। एजेंसी ने अदालत को बताया कि भयावह साजिश का पदार्फाश करने के लिए हिरासत में पूछताछ बहुत जरूरी है। जांचकर्ता घातक आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की भी जांच करेंगे। एनआईए राणा को पटियाला हाउस कोर्ट से अपने मुख्यालय ले आई । एनआईए ने आगे बताया कि आपराधिक साजिश के तहत आरोपी नंबर 1 डेविड कोलमैन हेडली ने भारत आने से पहले तहव्वुर राणा से पूरे ऑपरेशन पर चर्चा

की थी। संभावित चुनौतियों का अनुमान लगाते हुए हेडली ने राणा को एक ईमेल भेजा जिसमें उसके सामान और संपत्तियों का ब्यौरा था। उसने राणा को साजिश में इलियास कश्मीरी और अब्दुर रहमान की संलिप्तता के बारे में भी बताया।

एनआईए के मुख्यालय में कटी राणा की पहली रात 26/11 मुंबई आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को आखिरकार भारत ले आया गया। विशेष विमान से भारत पहुंचे राणा को गुरुवार देर रात एनआईए ने विशेष अदातल में पेश किया। अदालत ने तहव्वुर राणा को 18 दिन की रिमांड पर एनआईए को सौंप दिया है। हालांकि एनआईए ने 20 दिन के कस्टडी के मांग की थी। आतंकी राणा की भारत में पहली रात एनआईए के मुख्यालय के बनी अंदर बनी सेल में कटी।

जानकारी के मुताबिक, राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एनआईए हेडक्वार्टर के ग्राउंड फ्लोर पर बने लॉकअप में रखा गया है। इस सेल का साइज लगभग 14/14 फुट का है। सीसीटीवी कैमरे से लैस सेल के अंदर जमीन पर एक बिस्तर लगा है। बाथरूम भी सेल के अंदर ही है। बता दें कि सेल के अंदर केवल 12 नामित एनआईए अधिकारियों को ही इजाजत है। सेल के अंदर ही राणा को सारी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

राणा से पूछे जा रहे ये सवाल

-एनआईए ने तहव्वुर राणा से पूछताछ के लिए 30 सवालों की एक लिस्ट तैयार की है। इनमें 26 नवंबर 2008 के दौरान तहव्वुर राणा की लोकेशन कहां थी?

-8 नवंबर 2008 से 21 नवंबर 2008 के दौरान तहव्वुर राणा भारत क्यों आया था और इस दौरान वह कहां-कहां गया?

- भारत मे रहने के दौरान तहव्वुर राणा किस-किससे और कहां-कहां मिले थे?

-तहव्वुर राणा को कब पता लगा था कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में एक बड़ा आतंकी हमला होने वाला है?

-डेविड कोलमैन हेडली को कब से जानते हो? उसको जाली वीजा देकर भारत में क्यों भेजा था?

- डेविड हेडली ने तहव्वुर राणा को क्या-क्या बताया था कि वो भारत मे किन जगहों पर गया था?

-डेविड कोलमैन हेडली इंडिया क्या करने आया था? उसके भारत मे रहने के दौरान उसकी तुम्हारे साथ क्या-क्या बात होती थी?

- मुंबई अटैक में तहव्वुर राणा और हेडली की भूमिका क्या थी?

-डेविड कोलमैन हेडली को इंडियन वीजा दिलवाने में कैसे मदद की?

- मुंबई हमलों की योजना बनाने में तहव्वुर राणा और हेडली की क्या भूमिका थी?

-हमलों के लिए जानकारी जुटाने में हेडली ने क्या मदद की?

-लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद को कैसे जानते हो। उनसे पहली बार कब और कहां मिले थे?

-हाफिज सईद से कैसे संबंध थे?

- लश्कर-ए-तैयबा की मदद कैसे की थी? मदद करने के बदले में लश्कर ने क्या दिया?

-लश्कर-ए-तैयबा के हाफिज सईद के अलावा और कितने लोगों को जानते हो? आखरी बार उनसे कब बात हुई?

- लश्कर-ए-तैयबा में कुल कितने लोग है? उसका स्ट्रक्चर कैसा है? रिक्रूटमेंट कैसे होता है? कौन करता है?

-लश्कर को चलाने के लिए फंड कहां से आता है? कौन-कौन लोग सबसे ज्यादा फंड जुटाते हैं?

- हथियारों की सप्लाई कौन करता है? किन-किन देशों से हथियार मिलते हैं?

- पाकिस्तानी आर्मी और आईएसआई कैसे मदद करती है?

-हमले करने के टारगेट को कैसे चुनते हो? टारगेट पर हमले की इंस्ट्रक्शन क्या करक देती है?

- लश्कर के लोगों को ट्रेनिंग कौन देता है?

- किसी भी एक ग्रुप को आईएसआई के कितने अफसर किस तरह की ट्रेनिंग देते है? ट्रेनिंग के दौरान क्या बताया जाता है और ट्रेनिंग में क्या क्या करवाया जाता है?

-डॉक्टर की नौकरी छोड़कर आतंक का रास्ता क्यों चुना?

-पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ किसके संबंध थे? हेडली ने तुम्हे मिलवाया था या तुमने हेडली को?

-आईएसआई की प्लानिंग क्या थी, जिन जगहों पर हमले हुए वो ही टारगेट थे या भारत के कुछ और टारगेट भी थे जिनको तुम पूरा नहीं कर पाए?

- हमलों में आईएसआई की तरफ से सिर्फ मेजर इकबाल और समीर अली शामिल थे या कुछ और बड़े अधिकारी भी शामिल थे? अगर शामिल थे तो वो कौन-कौन लोग थे?

-आतंक फैलाने की प्लानिंग को फाइनेंस कौन करता है?

-) क्या आईएसआई के अलावा पाकिस्तान सरकार को भी आतंकी हमलों की जानकारी होती है?

- हमले के दौरान आतंकियों को इंस्ट्रक्शन कौन देता है?

- क्या बोलकर लड़कों को फिदायीन हमले करने के लिए तैयार किया जाता है?

- हमले की पूरी योजना बनाने में कितने लोग शामिल होते हैं और उनकी क्या-क्या भूमिका होती है?

विटामिन डी की कमी से 49 करोड़ भारतीयों की सेहत पर खतरा

शहरीकरण, बढ़ता प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली बनी वजह

नई दिल्ली। भारत जैसे देश में जहां सालभर सूरज की रोशनी भरपूर मिलती है, वहां विटामिन डी की व्यापक कमी चौंकाने वाली है। हर पांचवां भारतीय इस जरूरी विटामिन की कमी से जूझ रहा है। भारत में यह एक छिपी महामारी के रूप में फैल रही है। यह जानकारी भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) की ओर से प्रस्तुत भारत में विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए रोडमैप नामक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस कमी का स्तर काफी भिन्न है। उत्तर भारत में 9.4 फीसदी से लेकर पूर्वी भारत में यह लगभग 39 फीसदी तक पहुंच चुका है। हालांकि, माना जाता है कि

भारत में धूप की कोई कमी नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह है कि शहरीकरण, बढ़ता प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली लोगों को पर्याप्त सूर्य संपर्क से वंचित कर रही है। खासतौर पर शहरों में वायु प्रदूषण यूवीबी किरणों को त्वचा तक पहुंचने से रोकता है, जिससे विटामिन डी का निर्माण बाधित होता है।

सूर्य के संपर्क में ज्यादा रहें

सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। जैसे दूध और तेल में विटामिन डी का फोर्टिफिकेशन और इसे आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल करना। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भी भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें सूर्य के संपर्क में रहने पर जोर दिया गया है।

49 करोड़ लोगों में कमी

साइन्स जर्नल नेचर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में भारत के लगभग 49 करोड़ लोग विटामिन-डी की कमी से ग्रस्त थे। इसी शोध के अनुसार भारत, पाकिस्तान, ट्यूनीशिया अफगानिस्तान और अफ्रीकी देशों में कुल आबादी के लगभग 45 फीसदी लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे थे।

सिर्फ हड्डियों तक सीमित नहीं असर विटामिन डी की कमी का असर सिर्फ हड्डियों तक सीमित नहीं है। यह मांसपेशियों की कमजोरी, थकान, अवसाद, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज के साथ स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को भी बढ़ाती है। प्रतिरक्षा को कमजोर करती है और पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाती है।

वक्फ कानून की खूबियां बताने के लिए भाजपा चलाएगी जनजागरण अभियान

वक्फ कानून पर मुसलमानों के मन की भ्रांतियों को दूर करने और विपक्ष पर पलटवार करने के लिए भाजपा ने जवाबी मुहिम चलाने की योजना बनाई है। इसके तहत भाजपा 20 अप्रैल से 25 मई तक देशव्यापी वक्फ सुधार जनजागरण अभियान चलाएगी। अभियान के तहत भाजपा बताएगी कि कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर इसका लाभ समुदाय के गरीब लोगों को दिलाना और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में मुस्लिम महिलाओं और पसमांदा मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने एक कमेटी का गठन किया है। अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, महासचिव राधामोहन दास अग्रवाल और अनिल एंटनी समिति के सदस्य बनाया गया है। इसके इतर गुरुवार को राष्ट्रीय कार्यशाला में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बीएल संतोष ने पार्टी नेताओं को कानून की बारीकियां समझाने के साथ ही अभियान की रणनीति भी तय की।

विपक्ष के एक-एक आरोप का जवाब देने की तैयारी

विपक्ष और मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि इस कानून के कारण वक्फ संपत्तियां और मुसलमानों के धार्मिक स्थल खतरे में हैं। इसके जवाब में भाजपा समझाएगी कि यह कानून वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे को खत्म करेगा। बेहतर प्रबंधन के जरिये वक्फ संपत्तियों से आय बढ़ेगी, जिसका लाभ गरीब मुसलमानों को मिलेगा।

ईसाई व मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध लोगों से सीधा संवाद

भाजपाअभियान के तहत राज्य, जिला, मंडल स्तर पर कार्यक्रमों के जरिये विपक्ष की बनाई धारणा तोड़ेगी। ईसाई और मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध लोगों से सीधा संवाद करेगी। विधायकों और सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र में कम से कम एक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करना होगा। हर राज्य में कार्यशालाओं का आयोजन कर कानून के फायदे गिनाए जाएंगे।

वाईएसआरसीपी नेता का दावा

तिरुपति गौशाला में तीन महीने में 100 गायों की मौत

तिरुपति। तिरुपति स्थित तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की गौशाला में बड़ी संख्या में गायों की मौत का दावा किया गया है। टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता भुमना करुणाकर रेड्डी ने इस मामले को लेकर आंध्र प्रदेश सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और मामले की जांच की मांग की। शुक्रवार को मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा, पिछले तीन महीनों में 100 से अधिक गायें, खराब देखभाल और प्रबंधन के कारण मर चुकी हैं। यह संख्या और भी अधिक हो सकती है, क्योंकि अभी तो केवल वही जानकारी सामने आई है जो हमें प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य की तेलुगु देशम पार्टी-भारतीय जनता पार्टी (टीडीपी-भाजपा) गठबंधन सरकार हमारे नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर झूठे आरोप लगाने और उनके अच्छे कार्यों को मिटाने में व्यस्त है।

गौशाला में लापरवाही की जांच की मांग वाईएसआरसीपी नेता ने गौशाला में हो रही मौतों की जांच की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा, गौशाला की देखरेख जिला वन अधिकारी कर रहा है, जिसे पशु चिकित्सा की कोई जानकारी नहीं है। यह सरकार और टीटीडी की संचालन समिति की सीधी लापरवाही है। उन्होंने यह भी कहा कि इतने बड़े पैमाने पर गायों की मौतें सरकार के खिलाफ दैवी संकेत हैं, जो जगन मोहन रेड्डी पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मरी प्रेग्नेंट गाय का मामला भुमना करुणाकर रेड्डी ने दावा किया कि जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में गौशाला अच्छी स्थिति में थी। उस दौरान गुजरात, राजस्थान और पंजाब से 550 देसी नस्ल की गायें मंगवाई गई थीं। उस समय गौशाला से प्रतिदिन 1700 लीटर दूध तिरुमाला के धार्मिक कार्यों में उपयोग होता था, जबकि अब 500 लीटर भी नहीं पहुंच रहा। उन्होंने बताया कि पहले गायों को किसानों को उपहारस्वरूप दिया जाता था और उनका आयुर्वेदिक और धार्मिक उपयोग होता था, लेकिन अब वही गायें संकट में हैं।

रेड्डी ने दावा किया कि एक गर्भवती गाय रेलवे ट्रैक पर मरी पाई गई और उसके कानों को काट दिया गया, जिनमें टीटीडी का टैग लगा था। उन्होंने कहा कि वाईएस राजशेखर रेड्डी और वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने ही टीटीडी की पवित्रता और गौशाला की रक्षा के लिए ठोस प्रयास किए थे।

शादी की वेबसाइट पर एनआरआई को फंसाया, भाई बहन ने 2.68 करोड़ ठग लिए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने एक बड़े ठगी के मामले का खुलासा करते हुए इंदौर निवासी सगे भाई-बहन को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने एक एनआरआई युवक को मेट्रोमोनियल साइट पर शादी का झांसा देकर करीब पौने तीन करोड़ रुपए की ठगी की। आरोपियों ने पीड़ित से फर्जी नाम और पहचान का उपयोग कर बातचीत की और धीरे-धीरे विश्वास जीतकर बड़ी रकम हड़प ली। पीड़ित वेंकटराव कलगा, जो अमेरिका की एक कंपनी में कार्यरत हैं, उन्होंने अप्रैल 2025 में डीसीपी राजेश त्रिपाठी से इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। वेंकटराव ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने एक भारतीय मेट्रोमोनियल साइट पर शादी के लिए एक लड़की का प्रोफाइल पसंद किया, जिसका नाम बरखा जेसवानी था। बातचीत के दौरान बरखा ने उन्हें अपने झूठे वादों में उलझाकर करीब 2 करोड़ 68 लाख रुपए की ठगी कर ली। यह पूरी रकम पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों में डलवाई गई थी। इंदौर क्राइम ब्रांच ने इस पूरे मामले की बारीकी से जांच करते हुए बैंक ट्रांजैक्शन का विश्लेषण किया और आखिरकार आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही।

क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच के बाद सिमरन और विशाल जेसवानी नामक भाई-बहन को गिरफ्तार किया, जिनमें से एक को इंदौर और दूसरे को अहमदाबाद से पकड़ा गया है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने फर्जी अकाउंट बनाकर वेंकटराव को फंसाया और उससे बड़ी रकम ऐंठ ली। दोनों ने पहले भी ठगी के एक अन्य मामले में जेल की सजा काटी है। इस बार उन्होंने एक सुनियोजित योजना के तहत एनआरआई को निशाना बनाया और शादी का झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

ठगी की रकम से खरीदा घर, कार और दुकान

डीसीपी त्रिपाठी ने जानकारी दी कि आरोपियों ने ठगी से मिली रकम का उपयोग कर इंदौर में एक आलीशान घर और महंगी कार खरीदी, साथ ही कपड़े की एक दुकान भी शुरू की। इसके अलावा उन्होंने अपने ऊपर चल रहे पुराने लोन को भी चुकता कर दिया। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और ठगी की गई रकम की जब्ती की कार्रवाई जारी है। इस घटना ने मेट्रोमोनियल साइट्स की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आईडीएम बोर्ड बैठक में कई फैसले

अहिल्या पथ स्कीम में बड़ा बदलाव: अब रोड के दोनों तरफ होगी विकास योजना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) बोर्ड की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त दीपक सिंह ने की। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, वनमंडलाधिकारी प्रदीप मिश्रा, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता सी.एस. खरत सहित अलग-अलग विभाग के कई अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। दीपक सिंह ने बताया कि आईडीए ने अहिल्या पथ के बारे में एक स्कीम शासन को बनाकर भेजी थी। शासन ने उसमें मार्गदर्शन दिया है कि 75 मीटर रोड के एक ही तरफ स्कीम प्रस्तावित है, उसे दोनों तरफ किया जाए।

आईडीए का पक्ष यह था कि रोड के एक तरफ रेसीडेंशियल और इंडस्ट्रीयल लैंड यूज है। दूसरी तरफ एग्रीकल्चर लैंड यूज है। एग्रीकल्चर लैंड यूज में स्कीम नहीं लगाई गई थी। शासन के निर्देश आने के बाद आज प्राधिकरण ने उस पर विचार-विमर्श किया है।

यह तय किया गया है कि कंसलटेंट लगाकर अगले एक-दो हफ्ते में पूरी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। दो हफ्ते बाद अलग-अलग ऑप्शन पर विचार करेंगे कि रोड के दोनों तरफ 300 मीटर या 500 मीटर एग्रीकल्चर लैंड को लेने का क्या प्रभाव पड़ेगा। उसके बाद प्रस्ताव शासन को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

पार्किंग के लिए जमीन आरक्षित करने का निर्णय

संचालक मंडल ने शहर की पार्किंग समस्या और योजना क्रमांक 139, 169-ए में नव-निर्मित आईएसबीटी के अंतर्गत पार्किंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योजना क्रमांक टीपीएस-8 में 2.292 हेक्टेयर का भूखण्ड पार्किंग के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया।

पार्किंग के लिए इस जमीन का विकास कर बाउंड्रीवाल, टॉयलेट ब्लॉक आदि सुविधाएं दी जाएंगी। पार्किंग को लेकर बस ऑपरेटरों ने भी मांग की थी। बोर्ड ने वार्ड-9 में सरकारी जमीन (महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास) पर ऑडिटोरियम और अन्य निर्माण करने को लेकर गैर योजना अंतर्गत 15.5 करोड़ प्रशासकीय स्वीकृति भी दी है।

प्राधिकरण खर्च करेगा 1.59 करोड़

बोर्ड ने प्राधिकारी की नगर विकास योजना टीपीएस-8 पर स्थित जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत आवासगृह बनाने के लिए आरक्षित करने का फैसला लिया है। इधर, प्राधिकरण के सभी अभिलेखों का डिजिटलाइजेशन किए जाने के काम के लिए प्राप्त निविदाओं पर विचार करते हुए न्यूनतम निविदादाता द्वारा प्राप्त दर स्वीकृत की गई है। इस काम पर प्राधिकरण 1.59 करोड़ खर्च करेगा।

शहीद स्मारक पार्क का संचालन बोर्ड ने शहीद स्मारक पार्क के संचालन के लिए नगर पालिका निगम द्वारा हस्तांतरण स्वीकार नहीं करने की स्थिति में शहीद स्मारक पार्क परिसर संचालन और संधारण प्राधिकारी के स्तर से करवाने की स्वीकृति प्रदान की। एक अन्य फैसले में मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के आधिपत्य में सुपर कॉरिडोर स्थित भूमि का विकास कार्य डिपाजिट वर्क के रूप में करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

इंदौर पश्चिमी रिंग रोड : 12 गांवों की जमीन पर मुआवजे के लिए हुआ सर्वे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। प्रशासन और किसानों के बीच मुआवजे को लेकर सहमति बनने के बाद पश्चिमी रिंग रोड में आने वाली निजी जमीन का सर्वे कार्य शुरू किया गया है। सबसे पहले हातोद तहसील में शुरू हुआ सर्वे का काम गुरुवार को पूरा हो गया। तीन दिनों में तहसील के 12 गांवों की 164.8870 हेक्टेयर निजी जमीनों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

अब देपालपुर और सांवेर तहसील के 14 गांवों की 307.1829 हेक्टेयर जमीन का सर्वे कार्य किया जाएगा। इंदौर जिला प्रशासन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के द्वारा पश्चिम रिंग रोड बनाने के लिए सर्वे का काम शुरू किया गया है। शिप्रा से पीथमपुर नेट्रेक्स तक बनने वाली 64 किमी लंबी पश्चिमी रिंग रोड में अब किसानों को नई गाइडलाइन का दोगुना मुआवजा दिया जाएगा। इस पर सहमति बनने के बाद सर्वे हो रहा है। मंगलवार से हातोद तहसील में सर्वे शुरू किया गया था। सड़क में आने वाली 158.1178 हेक्टेयर और 6.7692 हेक्टेयर अतिरिक्त निजी जमीन का सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया। हातोद तहसील के 12 गांवों की 174.3415 हेक्टेयर जमीन से सड़क गुजर रही है। इसमें 164.8870 हेक्टेयर निजी और 9.4545 हेक्टेयर शासकीय जमीन है। शासकीय जमीन का सर्वे पहले पूरा हो चुका है। अब एनएचएआई के भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) द्वारा निजी जमीनों का सर्वे किया जा रहा है। पश्चिम रिंग रोड इंदौर जिले की तीन तहसीलों की 570.5678 हेक्टेयर जमीन से गुजर रहा है। इसमें 472.0699 हेक्टेयर निजी और 98.1829 शासकीय जमीन आ रही है। एक साल से निजी जमीन के सर्वे का काम रुका हुआ था, लेकिन अब सर्वे किया जा रहा है।

पश्चिमी रिंग रोड पर एक नजर

570.5678 हेक्टेयर जमीन सड़क में आ रही

472.0699 हेक्टेयर निजी जमीन

98.4979 हेक्टेयर शासकीय जमीन

998 किसान हो रहे प्रभावित

998 किसानों की जमीनें

पश्चिमी रिंग रोड तीन तहसील के 26 गांवों से गुजर रही है। इन गांवों के 998 किसानों की जमीनें सड़क में आ रही हैं। इसमें 864 किसानों की जमीन मुख्य सड़क और 134 किसानों की जमीन अतिरिक्त सड़क के लिए अधिग्रहित की जानी है। सबसे अधिक 512 किसान सांवेर तहसील के हैं। वहीं 333 हातोद और 153 किसान देपालपुर तहसील के हैं।

भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकले हनुमान, रणजीत हनुमान मंदिर में भी उत्सव शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में शुक्रवार से ही हनुमान जयंती की धूम नजर आने लगी है। जयंती के एक दिन पूर्व शुक्रवार को प्रभातफेरियां निकाली। भक्तों को दर्शन देने हनुमान नगर भ्रमण पर निकले। शहर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में भी उत्सव शुरू हो गया है। मंदिर में फूल बंगला सजाया गया है। बाबा के लिए मथुरा से पोशाक तैयार की गई है। शनिवार को शहर के अनेक मंदिरों में भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। कैलाश मार्ग तीर्थ धाम क्षेत्र वीर बगीची में मनाए जा रहे तीन दिवसीय जन्मोत्सव में वीर अलीजा सरकार की प्रभातफेरी निकाली। प्रभु जब भक्तों के बीच पहुंचे तो फूलों की बारिश के साथ-साथ तोपों से पुष्पवर्षा की गई। श्रद्धालुओं ने अलीजा सरकार की अगवानी में अपने घरों के बाहर दीप रोशन किए एवं रंगोलियां भी सजाई।

सुबह छह बजे निकली यात्रा में 15 फीट के रथ में हनुमान वीर मुद्रा में भक्तों को दर्शन देने निकले। एक हाथ में गदा तो दूसरे हाथ में संजीवनी बूटी वाला पर्वत उठाते नजर आए। उनके रथ को 100 भक्तों ने अपने हाथों से खींचा। भक्त सामाजिक सरोकार का संदेश देती तख्तियां थामें और स्वच्छता का संदेश देते नजर आए।

तीन किलोमीटर के इस मार्ग में डेढ़ सौ से अधिक सामाजिक संगठनों ने मंच लगाकर यात्रा की अगवानी की। नगर निगम के सफाई मित्रों सहित भक्त मंडल के 25 सदस्य यात्रा के मार्ग में सफाई व्यवस्था संभालते दिखे। शनिवार को हनुमान जयंती वीर अलीजा सरकार का स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा। इसी के साथ राज भवन की थीम पर अलीजा सरकार का दरबार सजाया जाएगा।

तीन दिन राहत! बारिश-ओलों से बुझेगी गर्मी की आग, तापमान में होगी गिरावट

सिटी चीफ इंदौर।

मध्यप्रदेश में आगामी तीन दिनों तक तेज गर्मी और लू से लोगों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने राज्य के 42 जिलों, जिनमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन शामिल हैं, उनमें तेज आंधी, बारिश और ओले गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम में बदलाव के चलते दिन और रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के सक्रिय होने के कारण हो रहा है, जिससे लू का प्रभाव खत्म हो जाएगा और तापमान में गिरावट आएगी।

उत्तर और दक्षिण मध्यप्रदेश में अधिक प्रभाव, 17 जिलों में बदलेगा मौसम

शुक्रवार को मध्यप्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में मौसम ज्यादा प्रभावित रहेगा। खासकर ग्वालियर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा और जबलपुर संभाग के 17 जिलों- श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में हल्की बारिश, तेज आंधी और ओले गिरने की संभावना जताई गई है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर और शहडोल संभागों में मौसम साफ रहेगा, हालांकि कुछ स्थानों पर बादल छा सकते हैं और शाम के समय हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। 12 और 13 अप्रैल को भी प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम परिवर्तन बना रहेगा।

धार और रतलाम में सबसे अधिक गर्मी, तापमान 42 डिग्री पार

गुरुवार को प्रदेश में गर्मी का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसमें धार और रतलाम सबसे गर्म शहरों के रूप में सामने आए। धार में तापमान 42.3 डिग्री और रतलाम में 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खंडवा में 42.1 डिग्री, जबकि गुना और नर्मदापुरम में तापमान 42 डिग्री रहा। इसके अलावा टीकमगढ़ और दमोह में 41.8 डिग्री, सागर में 41.5 डिग्री, खरगोन और नौगांव में 41 डिग्री, मंडला में 40.8 डिग्री, तथा सिवनी और शिवपुरी में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बड़े शहरों में भी तेज गर्मी, कहीं-कहीं राहत की फुहारें

राज्य के बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री, इंदौर में 40.3 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 41 डिग्री और जबलपुर में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी ओर, शिवपुरी में बारिश हुई, जिससे वहां के लोगों को कुछ राहत मिली। इसके अलावा कई शहरों में बादल छाए रहने से मौसम अपेक्षाकृत नरम बना रहा। कुल मिलाकर, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला-बदला रहेगा और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर आए, किसानों से कहा- मिलकर खेती किसानी को आगे बढ़ाएंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में शुक्रवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आए। एयरपोर्ट पर उनका शहर के जनप्रतिनिधियों व भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उन्होंने किसानों से कहा कि आप और हम मिलकर खेती किसानी को आगे बढ़ाएंगे। एयरपोर्ट से वे सीधे संघ के पूर्व सर कार्यवाह सुरेश जोशी के भाई अरविंद जोशी के निवास पर पहुंचे और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। विमानतल पर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा चलाए जा रहे बस्ती संपर्क अभियान का असर नजर आ रहा है। घर-घर भाजपा की रीति-नीति, विचार और विकास की बातें कार्यकर्ता पहुंचा रहे है। इससे गरीब वर्ग को भाजपा सरकार की योजना की जानकारी मिलेगी और वह उसका लाभ उठा सकेंगे। विमानतल पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक मधु वर्मा, मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, उषा ठाकुर, मनोज पटेल, दीपक जैन टीनू सहित अन्य नेता उनसे मिले और उनका स्वागत किया। शिवराज सिंह इंदौर में करीब डेढ़ घंटे रुके। इसके बाद वे फिर भोपाल के लिए रवाना हो गए। इंदौर में भाजपा द्वारा बूथ दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी घर-घर जाकर परिवारों से मिल रहे है और उनसे संवाद कर रहे है। लोग इस दौरान क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं भी उन्हें बता रहे है।

कागज की गड्डी देकर सोने का मंगलसूत्र और झुमके ले गए ठग

इंदौर। तीन बदमाश सरेराह वृद्धा से आभूषणों की ठगी कर फरार हो गए। मदद के बहाने वृद्धा को रोका और उससे सोने का मंगलसूत्र,झुमके लेकर फरार हो गए। बदमाशों ने वृद्धा को नोट की गड्डी भी दी जिसमें अंदर कागज के टुकड़े जमे थे। भंवरकुआं पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है पुलिस के अनुसार घटना पिछले वर्ष 10 सितंबर की है। मां दुर्गानगर निवासी 62 वर्षीय गीता प्रजापत के साथ ठगी हुई है। गीता ने पुलिस को बताया वह हाट बाजार से सब्जी खरीदने जा रही थी। अग्रसेन चौराहा पर एक युवक ने इशारा कर खाना खाने के लिए पैसे मांगे। वृद्धा अनदेखा कर निकल गई। एक महिला और पुरुष ने रोका और पांच-पांच सौ के नोट की

स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षाओं के बीच मूल्यांकन शुरू

31 मई से जारी होंगे रिजल्ट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षाओं के बीच देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन शुरू कर दिया है। विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिका का जांचने का काम चल रहा है। करीब 45 हजार छात्र-छात्राओं की चार लाख उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जाएगी। यह काम विश्वविद्यालय ने 300 से अधिक शिक्षकों को सौंपा है, जिन्हें डेढ़ महीने के भीतर यह कार्य पूर्ण करना होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि परिणाम 31 मई तक घोषित कर दिया जाएगा। ताकि छात्र बिना किसी देरी के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकें। दौरान उच्च शिक्षा विभाग आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर देगा। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने परीक्षा समाप्त होने का इंतजार न करते हुए मूल्यांकन कार्य पहले ही शुरू कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक अशेष तिवारी ने बताया कि उत्तरपुस्तिकाओं की जांच के लिए 45 दिन का समय निर्धारित किया गया है। 31 मई तक परिणाम घोषित करने की डेडलाइन तय की गई है, ताकि विद्यार्थी समय पर पीजी प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकें। विश्वविद्यालय ने सात पाठ्यक्रमों के परिणाम 31 मई तक घोषित करने का लक्ष्य रखा है। जबकि बीए और बीएससी की परीक्षाएं अधिक विषयों के कारण 20 मई तक चलेंगी। इसलिए इनके परिणाम 15 जून तक घोषित किए जाएंगे।

ओएमआर शीट की स्कैनिंग जारी

विश्वविद्यालय में अब तक लगभग 90 हजार ओएमआर शीट जमा हो चुकी हैं। इनकी स्कैनिंग की जा रही है। स्कैनिंग पूरी होते ही कंप्यूटर के माध्यम से इनका मूल्यांकन कर परिणाम तैयार किया जाएगा।

वास्तुकला क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को फेलोशिप सम्मान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भारतीय वास्तुकला क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को भारतीय स्थापत्य संस्थान की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके द्वारा वर्षों से किए जा रहे कार्यों, विशेष रूप से जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स के जरिए नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया है। मप्र की राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में द इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स-एमपी चैप्टर के सम्मेलन का शुभारंभ कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. सिंघानिया का सम्मान उनके पुत्र राघवपत सिंघानिया को सौंपा। भारतीय स्थापत्य संस्थान द्वारा दी गई यह फेलोशिप डॉ. सिंघानिया की दूरदर्शिता और समर्पण को दर्शाती है, जिन्होंने भारतीय वास्तुकला के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करने और नवाचार को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छोटे शहरों के युवा को मिला अवसर

जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स की शुरुआत स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया की सोच से हुई थी, जिसे डॉ. निधिपति सिंघानिया ने अपनी दृढ़ नेतृत्व क्षमता से आकार दिया। यह मंच न केवल बड़े शहरों तक सीमित रहा, बल्कि छोटे शहरों तक भी वास्तुकला के ज्ञान और अवसर को पहुंचा रहा है, जिससे छोटे शहरों के युवा आर्किटेक्ट्स को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। वर्तमान में जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स के चेयरमैन डॉ. राघवपत सिंघानिया इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, पत्रिकाओं और पुस्तकों के माध्यम से इस मिशन को और व्यापक बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

35 साल से हो रहा जेके ऑर्किटेक्ट अवॉर्ड समारोह

अमर उजाला से बातचीत में राघवपत सिंघानिया ने बताया कि जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड 35 साल से आयोजित किया जा रहा है। जेके कंपनी को इस अवॉर्ड से अब तक कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं हुआ है, और न ही कंपनी ने कभी ऐसा कोई लाभ लेने का प्रयास किया है। इस अवॉर्ड की चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होती है और इसका निर्णय आर्किटेक्ट्स की एक स्वतंत्र समिति द्वारा किया जाता है। कंपनी केवल इस आयोजन और सम्मान समारोह में सहयोग प्रदान करती है। आईआईए (भारतीय स्थापत्य संस्थान) एक पुरानी और प्रतिष्ठित संस्था है, जो वैश्विक स्तर पर आर्किटेक्चर को बढ़ावा देने का कार्य करती है। आज जब हम कहते हैं कि भारत एक ग्रोइंग कंट्री और डेवलपिंग नेशन है तो ऐसे में देश के समग्र विकास के लिए आर्किटेक्चर की अहम भूमिका होती है। यह संस्था आर्किटेक्ट्स के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य कर रही है।

मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा

व्यस्तता के चलते सम्मान समारोह में उपस्थित न हो पाने पर डॉ. निधिपति सिंघानिया ने कहा- मैं इस फेलोशिप को पाकर बेहद खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आईआईए भारतीय स्थापत्य क्षेत्र में एक मजबूत स्तंभ रहा है, जिसने युवा और अनुभवी आर्किटेक्ट्स को जोड़ा और प्रेरित किया है। हमारा विजन इस संस्था के उद्देश्यों से मेल खाता है और हमें उम्मीद है कि यह सहयोग और भी फलदायी होगा।

सौरभ केस में परिजन जमानत पर बाहर 10 लाख के बॉन्ड पर मिली राहत

सौरभ, शरद, चेतन की 5 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंस से होगी पेशी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोर्ट से भोपाल के आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, जीजा विनय आसवानी और जबलपुर निवासी साले रोहित तिवारी को जमानत मिल गई है। 18वें अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश सचिन कुमार घोष की अदालत से 10 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत मिली है। वहीं, सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी शरद और चेतन की पेशी 5 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराई जाएगी। कोर्ट ने सभी आरोपियों के पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। जिससे विदेश न भाग सकें। एडवोकेट योगेंद्र तोमर ने बताया कि सौरभ शर्मा केस में चार लोगों की जमानत हुई है। सभी को 10-10 लाख के पर्सनल बॉन्ड पर जमानत दी गई है। इसमें दो कंपनी भी थी उनकी भी 10-10 लाख के बॉन्ड पर जमानत हुई है। केस की अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा उसके सहयोगियों शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर के खिलाफ मंगलवार को कोर्ट में चालान पेश किया था। इसमें इनोवा कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश सौरभ का ही बताया गया है। ईडी ने चालान में 12 आरोपी तय किए हैं।

जिसमें सौरभ शर्मा, उसकी मां, पत्नी दिव्या, शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर के अलावा इनकी फर्में और डायरेक्टर भी शामिल हैं। अब तक इस मामले में ईडी ने कुल 100.36 करोड़ रुपए की कुर्की और जब्ती की है। बता दें कि इन सौरभ, चेतन और शरद के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस 60 दिन में भी चालान पेश नहीं कर सकी। जिस वजह से लोकायुक्त पुलिस के केस में तीनों को जमानत मिल चुकी हैं। जमानत मिलने के मामले में लोकायुक्त की काफी किरकिरी भी हुई थी। जिसके बाद ईडी ने मंगलवार को चालान पेश कर दिया।

ईडी ने कहा- मनी लॉन्ड्रिंग से बनाई है सारी प्रॉपर्टी

अधिवक्ता रजनीश बरया के मुताबिक ईडी ने हजार पन्नों की चार्जशीट में कहा है कि सौरभ और उसके सहयोगियों द्वारा जो भी संपत्ति बनाई गई है, वह मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से कमाई गई है। इसलिए इनके विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है। चार्जशीट में सौरभ शर्मा के जीजा रोहित तिवारी, विनय हसवानी, प्यारेलाल केवट के अलावा इनकी फर्मों में शामिल अन्य लोग शामिल हैं। इन फर्मों के जरिए खरीदी गई प्रापर्टी और रजिस्ट्री को राजसात करने की बात भी चार्जशीट में शामिल है। अकेले एक ही फर्म में 15 से अधिक रजिस्ट्री हैं।

बिना दावे वाली प्रॉपर्टी जब्त करने के आदेश

वकील हरीश मेहता के मुताबिक कि ईडी ने चालान में तीनों के यहां छापे के बाद पाई गई अनक्लेम्ड प्रॉपर्टी को राजसात करने के लिए कहा है। ईडी सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल से पूछताछ के बाद 100.36 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। ईडी ने तीनों को केंद्रीय जेल से न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान गिरफ्तारी कर अदालत से सात दिन की रिमांड पर लिया था। इस दौरान उनसे लंबी पूछताछ चली थी।

रिश्तेदारों के नाम पर बनाई थी संपत्ति

ईडी ने कहा कि पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा द्वारा अपने और रिश्तेदारों, सहयोगियों के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई गई है। ईडी ने इन सबके स्वामित्व तथा उनके द्वारा कंट्रोल की जाने वाली फर्मों, कंपनियों, सोसाइटी के नाम पर अर्जित 92.07 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया था। इन संपत्तियों को उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत कुर्क किया था।

एनएसई ने पार किया 22 करोड़ निवेशक खातों का आंकड़ा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश, अप्रैल 2025ः नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने अप्रैल 2025 में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, जब निवेशकों के कुल खाते यानि यूनिक क्लाइंट कोड्स (यूसीसी) की संख्या 22 करोड़ के पार पहुँच गई। खास बात यह रही कि अक्टूबर 2024 में 20 करोड़ के आँकड़े को पार करने के बाद सिर्फ छह महीनों में ही कंपनी तेज़ी से यह महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वहीं, 31 मार्च, 2025 तक यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 11.3 करोड़ दर्ज की गई, जो कि 20 जनवरी, 2025 को ही 11 करोड़ का आँकड़ा पार कर चुकी थी।

एक निवेशक के कई ब्रोकर्स के साथ खाते हो सकते हैं, जिससे उसके नाम पर एक से अधिक क्लाइंट कोड हो सकते हैं। यदि रायों की बात करें, तो निवेशक खातों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, यहाँ कुल 3.8 करोड़ खाते हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 2.4 करोड़, गुजरात में 1.9 करोड़ और राजस्थान व पश्चिम बंगाल दोनों में प्रत्येक में 1.3 करोड़ निवेशक खाते दर्ज किए गए हैं। ये राय मिलकर कुल खातों का लगभग 49त्न हिस्सा बनाते हैं, जबकि शीर्ष 10 राय मिलकर लगभग तीन-चौथाई खातों में योगदान देते हैं। बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले पाँच वर्षों में औसतन 22त्न सालाना रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी 500 इंडेक्स ने 25त्न सालाना रिटर्न देकर इस अवधि में निवेशकों के लिए शानदार संपत्ति निर्माण दिखाया है। इसके साथ ही, एनएसई का इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (आईपीएफ) भी 31 मार्च, 2025 तक सालाना 23त्न की बढ़ोतरी के साथ 2,459 करोड़ रुपए तक पहुँच गया है। श्री श्रीराम कृष्णन, चीफ बिज़नेस डेवलपमेंट ऑफिसर, एनएसई, ने कहा, भारत में निवेशकों की संख्या काफी तेज़ी से बढ़ रही है। सिर्फ छह महीनों में ही 2 करोड़ से अधिक नए खाते जुड़ना इस बात का संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निवेशक भारत की विकास यात्रा पर पूरा भरोसा कर रहे हैं। इस तेज़ बढ़त के पीछे बड़ी वजह तेज़ी से हुआ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और मोबाइल ट्रेडिंग को अपनाने का बढ़ता चलन है। इसने टियर 2, 3 और 4 शहरों के निवेशकों के लिए भी पूँजी बाजार को पहले से कहीं अधिक आसान और सुलभ बना दिया है। यह उपलब्धि एक परिपक्व हो रहे वित्तीय सिस्टम की ओर इशारा करती है, जहाँ टेक्नोलॉजी निवेश के मौकों को सभी के लिए आसान और सुलभ बना रही है।

मध्य प्रदेश, अप्रैल 2025ः नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने अप्रैल 2025 में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, जब निवेशकों के कुल खाते यानि यूनिक क्लाइंट कोड्स (यूसीसी) की संख्या 22 करोड़ के पार पहुँच गई। खास बात यह रही कि अक्टूबर 2024 में 20 करोड़ के आँकड़े को पार करने के बाद सिर्फ छह महीनों में ही कंपनी तेज़ी से यह महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वहीं, 31 मार्च, 2025 तक यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 11.3 करोड़ दर्ज की गई, जो कि 20 जनवरी, 2025 को ही 11 करोड़ का आँकड़ा पार कर चुकी थी।

कॉल सेंटर संचालक से रिश्वत मांगने वाले एएसआई को जमानत

भोपाल की विशेष अदालत ने समानता के अधिकार का दिया लाभ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी के ऐशबाग में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर के आरोपियों को बचाने के लिए रिश्वत लेने के मामले में कोर्ट ने आरोपी एएसआई मनोज सिंह को जमानत दे दी है। गुरुवार को विशेष न्यायधीश आरपी मिश्रा की कोर्ट ने यह ऑर्डर किए हैं। आरोपी को समानता के अधिकार का लाभ दिया गया है। कोर्ट ने आदेश में लिखा कि मामले के अन्य आरोपी टीआई जीतेंद्र गढ़वाल और प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को पूर्व में इस केस में जमानत दी जा चुकी है। इन दोनों आरोपियों पर भी समान आरोप थे, जो मनोज पर हैं। लिहाजा समानता के अधिकार के तहत 50 हजार रुपए के बॉन्ड पर मनोज को जमानत दी जाती है। वहीं केस का मुख्य आरोपी एएसआई पवन रघुवंशी, रिश्वत कांड का बिचौलिया पार्षद अंशुल जैन और रिश्वत भेजने वाला मोइन खान फरार है। एसआईटी की टीम तीनों की तलाश कर रही है। रघुवंशी द्वारा पुलिस को दिए बयानों के मुताबिक, मामले में मुख्य आरोपी अफजल खान के साले मोइन खान, उसके भाई वसीम खान और अफजल की पत्नी जाहिदा को आरोपी न बनाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। टीआई जितेंद्र गढ़वाल के कहने पर पवन और साथी एएसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह ने पूरी डील की थी। जिसकी पहली किश्त के तौर पर 4.94 लाख रुपए पवन ने अपने घर पर फरार पार्षद अंशुल उर्फ मोना जैन से लिए थे। इस रकम को एसीपी सुरभी मीणा और उनकी टीम ने पवन के घर से जब्त किया था। पूरी कार्रवाई को पांच मार्च को अंजाम दिया गया था। ठगी के इस रैकेट से कमाए करोड़ों रुपए अफजल खान ने अपने साले मोइन के नाम से टीकमगढ़ में निवेश कर रखे हैं। इस काली कमाई से मोइन खान क्रशर प्लांट से लेकर कई कॉलोनियों का निर्माण कर चुका है। 4 साल पहले तक एक कुरियर कंपनी में काम करने वाला मोइन अब टीकमगढ़ के रसूखदार बिल्डरों में गिना जाता है।

भोपाल में सिनेपॉलिस का नया 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स लॉन्च, अब शहर में मनोरंजन का मज़ा होगा दोगुना

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भारत में कदम रखने वाली पहली इंटरनेशनल सिनेमा कंपनी और प्रीमियम मूवी देखने के अनुभव के लिए दुनिया भर में मशहूर, सिनेपॉलिस इंडिया ने अब भोपाल में अपने नए 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स का शुभारंभ किया है। यह नया मल्टीप्लेक्स बंसल प्लाज़ा मॉल में स्थित है। यह प्रोजेक्ट बंसल ग्रुप के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है, जो कि भोपाल के सबसे नामी मॉल डेवलपर्स में से एक है। इससे न सिर्फ भारत में सिनेपॉलिस की उपस्थिति को मजबूती मिलेगी, बल्कि भोपाल के दर्शकों को वर्ल्ड-क्लास सिनेमा का शानदार अनुभव भी मिलेगा। बंसल प्लाज़ा मॉल शहर का एक बड़ा और अहम् शॉपिंग डेस्टिनेशन है, जो करीब 2.5 लाख वर्ग फीट में फैला है और इसमें कुल 3.4 लाख वर्ग फीट का रिटेल स्पेस मौजूद है। इस मॉल में एक से बढ़कर एक सुविधाएँ हैं, जिसमें हाइपरमार्केट, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, ब्रांडेड रिटेल आउटलेट्स, शानदार फूड कोर्ट और विज़िटर्स के लिए भरपूर पार्किंग स्पेस शामिल है। ऐसे में, सिनेपॉलिस का नया मल्टीप्लेक्स यहाँ की मनोरंजन की दुनिया को एक नया आयाम प्रदान करेगा, जहाँ फिल्में सिर्फ देखी नहीं, बल्कि महसूस भी की जाएँगी।

करीब 3,436 वर्ग मीटर में फैले इस 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स में कुल 804 सीटों की व्यवस्था की गई है, जिसमें 751 रेगुलर सीटें और 53 शानदार वीआईपी रिक्लाइनर शामिल हैं। यहाँ आने वाले दर्शक न सिर्फ फिल्मों का बेहतरीन अनुभव कर सकते हैं, बल्कि मल्टीप्लेक्स के सर्विस्ड किचन और कंसेशन स्टॉल से स्वादिष्ट खाने-पीने का लुफ्त भी उठा सकते हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में सिनेपॉलिस हमेशा ही सबसे आगे रहा है और यही बात इसे खास बनाती है। यहाँ डॉल्बी एटमॉस साउंड जैसी एडवांस ऑडियो टेक्नोलॉजी, लेज़र प्रोजेक्टर से क्रिस्टल क्लियर पिक्चर और स्क्रीन 1 और 3 में रियलडी 3डी जैसे फीचर्स मौजूद हैं, जो फिल्म देखने के अनुभव को एक अलग ही स्तर पर ले जाते हैं।

पत्नी थाने पहुंची तो एफआईआर के डर से पति ने खुद को लगाई आग

भोपाल। भोपाल के गौतम नगर इलाके में युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। तत्काल पुलिस स्टाफ ने पानी डाला और कंबल से युवक की आग को बुझा दिया। इलाज के लिए युवक को अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि युवक ने एफआईआर के डर से खुद को आग लगाई। दरअसल, उसकी पत्नी थाने शिकायत दर्ज कराने पहुंची थी। टीआई महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि सूरज ग्यासी (30) मूल रूप से टीकमगढ़ का रहने वाला था। वह टीला जमालपुरा में स्थित हरीजन बस्ती में पत्नी के मायके में रह रहा है। दो दिन पहले पत्नी ने आपसी विवाद के बाद पति के खिलाफ टीला जमालपुरा में एफआईआर दर्ज करा दी थी। शुक्रवार की दोपहर को करीब 1 बजे दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी शिकायत करने गौतम नगर थाने पहुंच गई। पीछे से पति पहले से पेट्रोल डालकर थाने के बाहर आया।

वक्फ बिल के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति निरस्त, मोती मस्जिद सड़क पर किया प्रोटेस्ट

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कांग्रेस विधायक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में शुक्रवार को मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी द्वारा वक्त बिल के विरोध में आयोजित विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। इसके चलते प्रदर्शन मोती मस्जिद सड़क पर किया गया। प्रदर्शन के मद्देनज़र पुलिस की भारी तैनाती देखी गई, साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स भी मौके पर मौजूद रही। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग इकबाल मैदान क्षेत्र में एकत्रित हुए, लेकिन जब उन्हें प्रदर्शन की अनुमति रद्द होने की जानकारी मिली तो वे लौट गए। बाद में कमेटी के कुछ सदस्यों ने मोती मस्जिद के पास स्थित सड़क पर प्रदर्शन किया। जिसमें करीब 50 से 60 लोग ही शामिल हुए। कमेटी के प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रदर्शन की अनुमति उन्हें पहले दी गई थी, लेकिन अचानक रात में रद्द कर दी गई।

वहीं, पुलिस का कहना है कि इकबाल मैदान में लंबे समय से किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वक्फ बिल के विरोध में पोस्टर दिखाए और संविधान की प्रति लेकर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश मुस्लिम त्योहार कमेटी ने प्रशासनिक रवैए पर नाराज़गी जताई और कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है। एसीपी हनुमानगंज राकेश सिंह बघेल ने कहा हमें जानकारी मिली थी कि यहां किसी कमेटी द्वारा प्रदर्शन करने की तैयारी है। चूंकि इकबाल मैदान में किसी तरह का प्रदर्शन या धरना की अनुमति लंबे समय से वर्जित है। व्यवस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया था।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे विधायक मसूद

मध्य क्षेत्र से कांग्रेस विधायक और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य आरिफ मसूद ने वक्फ कानून वक्फ एक्ट की खामियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि इस याचिका को वकील नरेंद्र मिश्रा ने मजबूत तथ्यों के आधार पर दाखिल किया है।

विधायक आरिफ मसूद ने कहा वर्तमान वक्फ कानून में गंभीर खामियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल में 22 सदस्यों में से 12 सदस्य गैर-मुस्लिम बना दिए गए हैं। जिससे इंसाफ की उम्मीद खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि कानून में यह प्रावधान नहीं है कि वक्फ की संपत्ति किसी और को दी जाए, लेकिन इस प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। मसूद ने विश्वास जताया कि उनके वकील पूरे दमखम के साथ सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखेंगे और यह कानून रद्द करवाने में सफल होंगे।

सम्पादकीय

ठोक बजाकर फैसले नहीं ले रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को तथाकथित जवाबी शुल्क को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया और इस बात ने उनके सर्वाधिक करीबी सलाहकारों में से भी कुछ को चकित किया है। एक तरह से यह दिखाता है कि निर्णय ठोक बजाकर नहीं लिए जा रहे हैं और इसके चलते वैश्विक वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था भारी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। चाहे जो भी हो इस स्थगन ने वित्तीय बाजारों को अत्यावश्यक राहत प्रदान की है। उदाहरण के लिए अमेरिका में एसएंडपी 500 बुधवार को 9.5 फीसदी ऊपर गया। संशोधित योजना के अनुसार सभी देशों के लिए 10 फीसदी का बुनियादी टैरिफ बरकरार रहेगा जबकि भारत समेत चुनिंदा कारोबारी साझेदारों पर लगाया गया जवाबी शुल्क फिलहाल स्थगित रहेगा। उम्मीद है कि अगले 90 दिनों में कारोबारी साझेदार किसी ऐसे समझौते पर पहुंच जाएंगे जो ट्रंप प्रशासन को उचित प्रतीत होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को तथाकथित जवाबी शुल्क को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया और इस बात ने उनके सर्वाधिक करीबी सलाहकारों में से भी कुछ को चकित किया है। एक तरह से यह दिखाता है कि निर्णय ठोक बजाकर नहीं लिए जा रहे हैं और इसके चलते वैश्विक वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था भारी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। चाहे जो भी हो इस स्थगन ने वित्तीय बाजारों को अत्यावश्यक राहत प्रदान की है। उदाहरण के लिए अमेरिका में एसएंडपी 500 बुधवार को 9.5 फीसदी ऊपर गया। संशोधित योजना के अनुसार सभी देशों के लिए 10 फीसदी का बुनियादी टैरिफ बरकरार रहेगा जबकि भारत समेत चुनिंदा कारोबारी साझेदारों पर लगाया गया जवाबी शुल्क फिलहाल स्थगित रहेगा। उम्मीद है कि अगले 90 दिनों में कारोबारी साझेदार किसी ऐसे समझौते पर पहुंच जाएंगे जो ट्रंप प्रशासन को उचित प्रतीत होगा। ध्यान देने वाली बात है कि चीन इस योजना का हिस्सा नहीं है और अमेरिका आने वाले चीनी आयात पर चीन पर टैरिफ 125 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन को बाहर रखने और ऐसे प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने का अर्थ है कि जोखिम वैश्विक व्यापार और वृद्धि से परे भी हो सकता है। अब यह स्पष्ट है कि ट्रंप के कदमों के कारण वित्तीय बाजारों में मची उथल पुथल थोड़ी धीमी पड़ सकती है। बीते कुछ दिनों में बॉन्ड बाजारों में बिकवाली वॉल स्ट्रीट में कुछ लोगों के लिए खासी चिंताजनक है। आमतौर पर जब शेयरों की कीमत गिरती है तो पैस बॉन्ड की ओर जाता है जिससे बॉन्ड कीमतों में इजाफा होता है। शुरूआत में यही हुआ। बहरहाल बीते कुछ दिनों से बॉन्ड कीमतों में गिरावट आनी आरंभ हो गई। यह बताता है कि निवेशक कहीं अधिक चिंतित हैं। अमेरिकी सरकार के डेट बाजार का गलत आवंटन दुनियाभर के अन्य बाजारों के लिए कठिनाई पैदा कर सकता है। यकीनन वित्तीय बाजारों ने इस कारोबारी झटके को लेकर अनुमान के मुताबिक ही प्रतिक्रिया दी है। यह चकित करने वाली बात है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने अलग नतीजों की उम्मीद की थी। बहरहाल, वित्तीय बाजारों में सुधार जहां समझा जा सकता है वहीं बुनियादी स्तर पर कुछ खास नहीं बदला है। यह केवल एक ठहराव है और ट्रंप ने अपने लक्ष्य हासिल करने में टैरिफ के महत्व को लेकर मन नहीं बदला है। ऐसे में अगले 90 दिनों तक कारोबारी साझेदारों के लिए बातचीत आसान नहीं होगी और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता का स्तर बढ़ा रहेगा जो वैश्विक वृद्धि को प्रभावित करेगा। जैसा कि बीते कुछ दिनों के प्रमाण बताते हैं अमेरिका साझेदार देशों द्वारा टैरिफ कम करने से संतुष्ट नहीं होगा। मसलन वियतनाम द्वारा अमेरिकी आयात पर शून्य शुल्क भी अमेरिकी प्रशासन को संतुष्ट नहीं कर सका। ट्रंप के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार घाटा सही नहीं है और उसे दूर किया जाना चाहिए। यह संभव नहीं होगा क्योंकि चीजें इस तरह काम नहीं करतीं। वास्तव में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार और आर्थिक व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। इससे व्यवस्था में अस्थिरता आना तय है। भारत को अमेरिका के साथ संबद्धता बनाए रखनी होगी। भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है क्योंकि उसने जवाबी टैरिफ की घोषणा के काफी पहले द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू कर दी थी। यह दोहराना सही होगा कि टैरिफ कम करना तथा अधिकांश वस्तुओं पर अन्य कारोबारी प्रतिबंध भारत के हित में हैं। इससे भारत को बहुप्रतीक्षित व्यापार वाताओं को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। मसलन यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम के साथ बातचीत। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिकी व्यापार नीति के कारण अनिश्चितता की अवधि से गुजरना होगा। यह भी स्पष्ट नहीं है कि अगले कुछ महीनों में हालात क्या मोड़ लेंगे। ऐसे में भारत को सतर्क रहना चाहिए और शेष विश्व के साथ सक्रिय रिश्ता रखना चाहिए।

दुनिया में सबसे ज्यादा बार पढ़ी जाने वाली पुस्तिका हनुमान चालीसा

हनुमान चालीसा को दुनिया में सबसे ज्यादा बार पढ़ी जाने वाली पुस्तिका माना जाता है। इसमें हनुमान के गुणों एवं कामों का अवधी में बखान है। इस चालीसा में चालीस चौपाइयों में यह वर्णन है, इसीलिए इसे चालीसा कहा गया। इसमें 40 छंद भी हैं। अंग्रेजी के अलावा भारत की सभी भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका है। यह गीता प्रेस द्वारा सबसे ज्यादा छापी जाने वाली पुस्तिका है। यूट्यूब पर हरिहरन द्वारा गायी गई हनुमान चालीसा को जितने लोग देख और सुन चुके हैं, वो भी एक रिकार्ड ही है। उत्तर भारत के मंदिरों में गाया जाने वाला यह सबसे लोकप्रिय भजन है। हनुमान चालीसा के रचयिता तुलसीदास हैं। 16वीं सदी में उन्होंने रामचरित मानस के साथ इसे भी अलग से लिखा। उन्होंने किन हालात में इसे लिखा, इसे लेकर कई किंवदंतियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि तुलसीदास को हनुमान चालीसा लिखने की प्रेरणा मुगल सम्राट अकबर की कैद से मिली।

हनुमान चालीसा को दुनिया में सबसे ज्यादा बार पढ़ी जाने वाली पुस्तिका माना जाता है। इसमें हनुमान के गुणों एवं कामों का अवधी में बखान है। इस चालीसा में चालीस चौपाइयों में यह वर्णन है, इसीलिए इसे चालीसा कहा गया। इसमें 40 छंद भी हैं। अंग्रेजी के अलावा भारत की सभी भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका है। यह गीता प्रेस द्वारा सबसे ज्यादा छापी जाने वाली पुस्तिका है। यूट्यूब पर हरिहरन द्वारा गायी गई हनुमान चालीसा को जितने लोग देख और सुन चुके हैं, वो भी एक रिकार्ड ही है। उत्तर भारत के मंदिरों में गाया जाने वाला यह सबसे लोकप्रिय भजन है।

हनुमान चालीसा के रचयिता तुलसीदास हैं। 16वीं सदी में उन्होंने रामचरित मानस के साथ इसे भी अलग से लिखा। उन्होंने किन हालात में इसे लिखा, इसे लेकर कई किंवदंतियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि तुलसीदास को हनुमान चालीसा लिखने की प्रेरणा मुगल सम्राट अकबर की कैद से मिली। किंवदंती है कि एक बार मुगल सम्राट अकबर ने गोस्वामी तुलसीदास जी को शाही दरबार में बुलाया। तब तुलसीदास की मुलाकात अब्दुल रहीम खान-ए-खाना और टोडर मल से हुई। उन्होंने काफी देर तक उनसे बातचीत की। वे अकबर की तारीफ में कुछ ग्रंथ लिखवाना चाहते थे। तुलसीदास जी ने मना कर दिया। तब अकबर ने उन्हें कैद कर लिया।

फतेहरपुर सीकरी में तुलसीदास जी करीब 40 दिनों तक कैद रहे। अकबर के समक्ष झुकने के विपरीत तुलसीदास जी ने हनुमान जी का नाम लिया और हनुमान चालीसा जेल में ही 40 दिनों में लिख दिया। तदुपरांत बंदरों की सेना ने किले पे चढ़ाई कर दी, राजधानी और राजमहल में अभूतपूर्व एवं अद्भुत उपद्रव शुरू हो गया। बंदर घरों में घुसकर सबको मारने लगे, सैनिकों और द्वारपालों को नोचने लगे, ईंटों को तोड़ने लगे, और सबको उसी ईंट से मारते थे, भयंकर उपद्रव देखने को मिला, सभी बुरी तरह भयभीत हो गए। अकबर को बताया गया कि यह हनुमान जी का क्रोध है, अकबर को विवश होकर तुलसीदास जी को मुक्त कर देना पड़ा, उनसे माफी मांगी और आग्रह किया के किले और राजधानी को बंदरों से मुक्त कराएं।

कहा जाता है कि जब पहली बार तुलसीदास ने इसका वाचन किया तो हनुमान जी ने खुद इसे सुना। प्रसिद्ध कथा के अनुसार जब तुलसीदास ने रामचरितमानस बोलना समाप्त किया तब तक सभी व्यक्ति वहां से जा चुके थे लेकिन एक बूढ़ा आदमी वहीं बैठा रहा। वो आदमी और कोई नहीं बल्कि खुद भगवान हनुमान थे। हनुमान चालीसा की शुरूआत दो दोहे से होती है जिनका पहला शब्द है 'श्रीगुरु', इसमें श्री का संदर्भ सीता माता है जिन्हें हनुमान जी अपना गुरु मानते थे। हालांकि जब इसे तुलसीदास ने लिखा था, तो उनके साथ कुछ अनोखी घटना होती थी। दरअसल, जब तुलसीदास हनुमान चालीसा लिखते थे, तो वे लिखे हुए पत्रों को रात के समय संभालकर रख देते थे। लेकिन जब सुबह उठकर देखते थे, तो रात में उन्होंने जो कुछ भी लिखा होता था, वो सब मिटा हुआ होता था। कई दिनों के प्रयास के बाद भी रोज का परिणाम वही था। इसलिए, तुलसीदास जी ने हनुमान जी की आराधना की। हनुमानजी प्रकट हुए, तो तुलसीदास ने उनसे पूछा कि मैं हनुमान चालीसा लिखता हूं, तो वह रातोंरात क्यों मिट जाता है। इस पर हनुमान जी ने तुलसीदास को जवाब दिया कि यदि प्रशंसा ही लिखनी है, तो मेरे प्रभु श्री राम की लिखो, मेरी नहीं।

फिर तुलसीदास ने हनुमान जी को पहली चौपाई सुनाई, जो उन्होंने अयोध्या कांड की शुरूआत में हनुमान चालीसा को शुरू करते हुए लिखा था। चौपाई इस प्रकार है-
श्रीगुरु चरण सरोज रज निज मन मुकुरु सुधारि।
वरूणौं रघुबर बिमल जसु जो सुखु फल चारि॥

इस दोहे को सुनने के बाद हनुमान जी ने कहा कि मैं रघुवर नहीं हूं। इस पर तुलसीदास ने जवाब दिया कि आप और भगवान श्री राम एक ही प्रसाद प्राप्त करके अवतरित हुए हैं। इसलिए आप भी रघुवर हैं।

उन्होंने हनुमान जी को याद दिलाते हुए वो किस्सा सुनाया, जिसमें ब्रह्मा लोक में सुवर्चला नाम की एक अप्सरा रहती थी, जो कभी ब्रह्मा पर मोहित हो गई थी और क्रोधित होकर ब्रह्मा ने उसे गिद्ध होने का श्राप दे दिया था। जब राजा दशरथ के पुत्र के यज्ञ में जो प्रसाद तीनों रानियों में बांटा गया था, उसका एक हिस्सा लेकर वो गिद्ध उड़ गई थी। उसी समय कहीं दूर माता अंजना भगवान शिव के सामने हाथ फैलाकर पुत्र की कामना कर रही थीं और उन्हीं हाथों में उस गिद्ध ने वह प्रसाद गिरा दिया था। उस प्रसाद से प्रभु राम ने भी जन्म लिया और माता अंजना के कोख से हनुमानजी ने भी। भगवान राम ने भी तो स्वयं आपको अपना भाई कहा है। उसी कारण तो मैंने यह चौपाई लिखी है - 'तुम मम प्रियहि सम भाई।'

तुलसीदास ने एक और तर्क दिया कि जब आप माँ जानकी की खोज में आप अशोक वाटिका गये थे, तो माँ जानकी ने आपको अपना पुत्र बना लिया।
अजर अमर गुणनिधि सुत होहु।
करहुं बहुत रघुनायक छोहू॥
सुनु सुत तोहि उरिन मैं नहीं।
देखौं करि विचार मन माहीं॥

तुलसीदास ने हनुमानजी को प्रशंसा का पात्र बनाते हुए कहा कि इस प्रकार आप भी रघुवर बन गए और मेरी यह चालीसा आपके उन्हीं तथ्यों पर आधारित है, जिसके आप हकदार हैं। तुलसीदास का यह तर्क सुनकर हनुमान जी को भी आत्मज्ञान हुआ और उसके बाद बिना किसी परेशानी के हनुमान चालीसा की रचना हुई। हनुमान चालीसा के पहले 10 चौपाई उनके शक्ति और ज्ञान का बखान करते हैं। 11 से 20 तक के चौपाई में उनके भगवान राम के बारे में कहा गया, जिसमें 11 से 15 तक चौपाई भगवान राम के भाई लक्ष्मण पर आधारित है। आखिर की चौपाई में तुलसीदास ने हनुमान जी की कृपा के बारे में कहा है।

दरअसल भगवान हनुमान, शिवजी के ऐसे अवतार हैं, जो इस कलियुग बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। बजरंगबली का नाम लेने से ही भक्तों के सारे संकट दूर हो जाते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से कर्ज दूर होता है। इससे मुकदमों में जीत मिलती है। हनुमान चालीसा पढ़ने से दुश्मनों के अलावा भूत-प्रेत और बुरी ताकतें भी परेशान नहीं करती। गोस्वामी तुलसीदास जी ने हनुमान चालीसा की रचना की है। इसलिए भगवान हनुमान की यह स्तुति सिद्ध है यानी इसको पढ़ते ही तुरंत फल मिलने लगता है।

40 चौपाइयों में तुलसीदास जी ने हनुमान जी की स्तुति की है। इनमें हनुमान जी के स्वरुप के बारे में बताया है। कहा जाता है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने हनुमान जी और रामजी के साक्षात दर्शन किए थे। उन्होने हनुमान जी के बालों से लेकर रंग-रुप तक के बारे में बताया है। इसके बाद उन्होंन हनुमान जी कृपा के बारे में बताया है कि उनकी कृपा से क्या-क्या मिल जाता है। तुलसीदास जी ने हनुमान जी की राम भक्ति को भी प्रणाम किया है। इसके साथ ही हनुमान जी के कई महान कामों के बारे में भी तुलसीदास जी ने बताया है।

यह भी माना जाता है कि तुलसीदास जी के पास बहुत सी चमत्कारी शक्तियां थीं । एक बार एक मरे हुए ब्राह्मण को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था और उसी रास्ते से तुलसीदास जी भी जा रहे थे तभी विधवा औरत तुलसीदास जी के पैरों पर गिर पड़ी और प्रणाम किया। तुलसीदास जी ने उस औरत को सदासौभाग्यावती होने का आशीर्वाद दिया। औरत ने कहा मैं सदासौभाग्यावती कैसे हो सकती हूं। मेरे पति अभी मर गए हैं। तुलसीदास ने कहा ये शब्द तो निकल चुके हैं, अब इसे जीवित करना पड़ेगा। तुलसीदास जी ने फिर सबसे अपनी आँखे बंद करने को कहा और राम नाम जपने लगे, जिससे वो ब्राह्मण फिर से जी गया।

मेडांग की जलविद्युत परियोजनाः चीन की रणनीति और भारत सहित दक्षिण एशिया की चिंता

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास मेडांग क्षेत्र में एक विशाल पनबिजली परियोजना की योजना और निर्माण ने भारत समेत दक्षिण एशिया के अन्य देशों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी (तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो) पर बन रही है, जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र नाम से जानी जाती है। यह डैम चीन की सबसे बड़ी और विश्व की सबसे शक्तिशाली जलविद्युत परियोजना बन सकती है। प्रतिस्पर्धा के बीच अब जल संसाधनों को लेकर भी तनाव गहराता जा रहा है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटे तिब्बत के मेडांग क्षेत्र में एक विशाल पनबिजली परियोजना की नींव रखना केवल एक ऊर्जा परियोजना का काम नहीं बल्कि उसकी भू-राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। यह परियोजना भारत ही नहीं, बल्कि भूटान, बांग्लादेश और नेपाल के लिए भी कई तरह की चुनौतियाँ पैदा कर सकती है।

मेडांग परियोजना चीन की महत्वाकांक्षी योजना सुपर डैम योजना का हिस्सा है, जिसमें वह अपने तिब्बती क्षेत्र की नदियों पर एक विशाल जलविद्युत नेटवर्क बनाना चाहता है। यह डैम तिब्बत की यारलुंग त्सांगपो नदी (जो भारत में प्रवेश करने पर सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र कहलाती है) पर बन रहा है। इस परियोजना का अनुमानित उत्पादन क्षमता 60,000 मेगावॉट तक बताई जा रही है, जो विश्व की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक बन सकती है। इस परियोजना के तहत चीन, यारलुंग त्सांगपो के पानी को ऊपर की ओर नियंत्रित कर सकता है, जिससे निचले क्षेत्रों में जलप्रवाह पर असर पड़ सकता है। यह परियोजना मेडांग में, अरुणाचल प्रदेश की सीमा से महज़ 30 किमी दूर बनाई जा रही है, जो इसे भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से और भी संवेदनशील बनाता है।

भारत को संभावित नुकसान

1. जल प्रवाह पर नियंत्रण- यारलुंग त्सांगपो ब्रह्मपुत्र का स्रोत है। यदि चीन इस नदी पर बड़े पैमाने पर बांध बनाता है और पानी का प्रवाह रोकता है या मोड़ता है, तो भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश और असम में जल संकट की आशंका पैदा हो जाती है।

2. बाढ़ की आशंका- चीन यदि भारी वर्षा या रणनीतिक कारणों से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ता है, तो ब्रह्मपुत्र घाटी में अचानक बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की भारी क्षति हो सकती है।

3. पर्यावरणीय असंतुलन- सियांग और ब्रह्मपुत्र की पारिस्थितिकी संवेदनशील है। प्रवाह में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होने पर नदियों के किनारे रहने वाली स्थानीय जनजातियाँ, वन्यजीव, मछलियाँ और जैव विविधता प्रभावित हो सकते हैं।

4. रणनीतिक दबाव का साधन- बांध का निर्माण वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट किया जा रहा है। इससे भविष्य में चीन को 'जल को हथियार' के रूप में प्रयोग करने की स्थिति मिल सकती है। चीन इस परियोजना के माध्यम से भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की स्थिति में आ सकता है, विशेष रूप से किसी सैन्य तनाव की स्थिति में।

भूटान, नेपाल और बांग्लादेश के लिए निहितार्थ

बांग्लादेश- ब्रह्मपुत्र नदी का एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेश में बहता है और वहां की कृषि, मत्स्य पालन, उद्योग तथा जलापूर्ति का आधार है। यदि भारत तक जल प्रवाह कम होता है, तो उसका सीधा प्रभाव बांग्लादेश पर पड़ेगा - सूखा, जल संकट और फसल हानि जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

भूटान- भूटान में कई नदियाँ ब्रह्मपुत्र प्रणाली से जुड़ी हैं, और वह पनबिजली पर बहुत निर्भर है। जल प्रवाह का असंतुलन उसकी बिजली उत्पादन परियोजनाओं और राजस्व को प्रभावित कर सकता है।

नेपाल- हालाँकि नेपाल का सीधा संबंध ब्रह्मपुत्र प्रणाली से नहीं है, लेकिन भारत और चीन के बीच जल विवाद गहराने पर नेपाल कूटनीतिक दवाब में आ सकता है और क्षेत्रीय जल-साझेदारी में उसका संतुलन प्रभावित हो सकता है।

भारत का बचाव- सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना-

भारत सरकार ने चीन की आक्रामक जलनीति का उत्तर देने के लिए अरुणाचल प्रदेश के परोंग क्षेत्र में सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना की योजना बनाई इस परियोजना से लगभग 11,000 मेगावॉट बिजली उत्पादन होगा, यह परियोजना एक जल संरक्षण और ऊर्जा उत्पादन का केंद्र होगी, और इसका एक प्रमुख उद्देश्य चीन की परियोजना का रणनीतिक और तकनीकी जवाब देना भी है। यह परियोजना ऊर्जा उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण के साथ सामरिक संतुलन में भारत की रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील सियांग घाटी में कारगर हो सकती है। क्योंकि यह परियोजना भारत को अपना जल प्रबंधन नियंत्रण देगी। भारी वर्षा या चीन द्वारा छोड़े गए जल के मुकाबले में यह बाढ़ से सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यह भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगी। इससे स्थानीय समुदायों को रोजगार और आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी, जिससे पूर्वोत्तर भारत में ऊर्जा और आधारभूत ढांचे का विकास होगा। एवं सबसे महत्वपूर्ण इस परियोजना के पूर्ण होने से चीन के साथ कूटनीतिक वार्ताओं में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

मेडांग परियोजना केवल चीन की घरेलू ऊर्जा जरूरतों का समाधान नहीं है, बल्कि यह एक बड़ा भू-राजनीतिक संकेत है। इससे न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण दक्षिण एशिया की जल सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और कूटनीतिक संतुलन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। भारत की ओर से सियांग परियोजना जैसे प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन यह आवश्यक है कि परियोजनाओं को तेज़ी से और पर्यावरणीय न्याय के साथ क्रियान्वित किया जाए। दक्षिण एशियाई देशों के साथ जल कूटनीति को मज़बूत किया जाए। साथ ही, चीन के साथ उच्च स्तरीय संवाद द्वारा जल सुरक्षा के लिए पारदर्शिता और समन्वय की व्यवस्था स्थापित की जाए।

जल केवल संसाधन नहीं, सामरिक हथियार बन चुका है। मेडांग पनबिजली परियोजना केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है, यह एक भू-राजनीतिक शस्त्र भी बन सकती है। भारत समेत दक्षिण एशिया के अन्य देशों को मिलकर इस विषय पर सामूहिक रणनीति बनानी होगी। समय आ गया है कि भारत और दक्षिण एशियाई देश मिलकर अपनी जल संप्रभुता की रक्षा करें। भारत की सियांग परियोजना एक मजबूत उत्तर बन सकती है, बशर्ते इसे तेज़ी से, पर्यावरणीय संतुलन के साथ और स्थानीय समुदायों को विश्वास में लेकर पूरा किया जाए।

(राजीव खरे, ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ)

हनुमान जी का भी हुआ था विवाह फिर भी नहीं टूटा उनका ब्रह्मचर्य

भगवान हनुमान बाल ब्रह्मचारी हैं ये बात तो सभी जानते हैं, इसलिए सबको यही पता है कि हनुमान जी का विवाह नहीं हुआ था लेकिन क्या आप जानते हैं कि पौराणिक ग्रंथों में मिलने वाली कथा के अनुसार हनुमान जी का विवाह हुआ था परंतु फिर भी वे हमेशा ब्रह्मचारी रहे। हनुमान जी ने विशेष परिस्थिति के कारण यह विवाह किया था। तो चलिए जानते हैं कि हनुमान जी का विवाह किसके साथ हुआ था और क्यों। पौराणिक कथा के अनुसार हनुमान जी ने सूर्य देवता को अपना गुरु बनाया था और उन्होंने सूर्य देव से नौ विद्याएं प्राप्त करने का निश्चय किया था। सूर्य देवता ने नौ प्रमुख विद्याओं में से हनुमान जी को पांच विद्याएं सिखा दी लेकिन बाकी चार विद्याओं को सिखाने के समय एक बाधा उत्पन्न हो गई। हनुमान जी ने विवाह नहीं किया था परंतु उन विद्याओं को सीखने के लिए विवाहित होना आवश्यक था। तब हनुमानजी जी के गुरु सूर्य देव ने उनसे विवाह करने को कहा।

अपने गुरु की आज्ञा से हनुमान ने विवाह करने का निश्चय कर लिया। हनुमान जी से विवाह के लिए किस कन्या का चयन किया जाए, जब यह समस्या सामने आई। तब सूर्य देव ने अपनी परम तेजस्वी पुत्री सुवर्चला से हनुमान को शादी करने का प्रस्ताव दिया। जिसके बाद हनुमान जी और सुवर्चला का विवाह संपन्न हुआ। सुवर्चला परम तपस्वी थी। विवाह के पश्चात बाद सुवर्चला सदा के लिए तपस्या में लीन हो गई तो वहीं हनुमान जी भी अपनी बाकी चार विद्याओं के ज्ञान पर को प्राप्त करने में लग गए। इस प्रकार विवाहित होने के बाद भी हनुमान जी का ब्रह्मचर्य व्रत नहीं टूटा।

पराशर संहिता में भी इस बात का उल्लेख है कि हनुमान जी और सुवर्चला का विवाह सिर्फ ब्रह्मांड के कल्याण के लिए हुआ था। इससे हनुमान जी का ब्रह्मचर्य भी प्रभावित नहीं हुआ। हनुमान जी को चिंरजीवी होने का वरदान प्राप्त है इसलिए संपूर्ण विद्या प्राप्त करके उन्हें कलियुग में भगवान कल्कि का साथ देने के लिए विवाह करना पड़ा क्योंकि विवाह के बिना उन्हें सूर्यदेव से संपूर्ण विद्या प्राप्त नहीं हो सकती थी। कलियुग में धर्म की रक्षा करने के लिए हनुमान जी को संपूर्ण ज्ञान और विद्या की आवश्यकता थी।

आज भी तेलंगाना के खम्मम जिले में हनुमान जी का मंदिर बना हुआ है जहां हनुमान जी गृहस्थ रूप में अपनी पत्नी सुवर्चला के साथ विराजमान हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है और दांपत्य जीवन सुखमय बनता है।

हनुमान जी के परिवार के बारे में जब भी बात की जाती है, तो उनके पिता केसरी और माता अंजनी के अलावा उनके पुत्र मकरध्वज का नाम भी लिया जाता है। रामायण की कथा के अनुसार मकरध्वज का जन्म हनुमान जी के पसीने से उस समय हुआ था, जब वे नदी में स्नान कर रहे थे।

हनुमान जयंती को लेकर नगर में तैयारियाँ पूर्ण

नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक ने की सफाई व्यवस्था की निगरानी

रुपेश जैन। सिटी चीफ । टीकमगढ़, रूपेश जैन नगर में कल हनुमान जयंती उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर नगर पालिका की ओर से विशेष तैयारियाँ की गई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक जी के नेतृत्व में श्री श्री 108 श्री हनुमान लला सरकार मंदिर, बजरंग अखाड़ा, एवं राजमहल मंदिर की धुलाई एवं सफाई का कार्य कराया गया। साथ ही, मंदिरों से सटी सड़कों की भी विशेष रूप से धुलाई कराई गई, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का अवसर मिल सके। नगरवासियों ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य न केवल स्वच्छता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि साम्प्रदायिक सौहार्द और आपसी एकता का भी प्रतीक है। हनुमान जयंती के अवसर पर नगर में भव्य झांकियों, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं।

पन्ना ग्राम पंचायत हरनामपुर और भदैया में भव सुदूर सड़क को भूमि पूजन

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ अजयगढ़, पन्ना जिले के अजयगढ़ ब्लॉक अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरनामपुर और भदैया में भव सुदूर संपर्क सड़क को भूमि पूजन मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के कर कमलों से हुआ। ग्राम केवटपुर ग्राम पंचायत हरनामपुर जिसकी कुल लागत 16.75 लाख रुपए है। एवं ग्राम पंचायत भदैया की कुल लागत लगभग 15.64 लाख रुपए है। ग्राम पंचायत हरनामपुर की सरपंच श्रीमती प्रीति देवी अहिरवार ने और भदैया की महिला सरपंच श्रीमती उषा साहू विधायक जी जोरदार स्वागत किया एवं जताया आभार। यह सुदूर सड़क देवी जी के स्थान से देवरी पुरवा की ओर बनेगी। और साथ ही विधायक जी ने क्षेत्र के विकास की उपलब्धियां गिनाई कहा मैं विकास करने वाला व्यक्ति हूं। और साथ ही ग्रामीणों की सुनी समस्याएं। और साथ ही ग्राम पंचायत भदैया की सुदूर सड़क निर्माण कार्य जवरी मुख्य मार्ग से नदी की ओर बनेगी। इस कार्यक्रम में धरमपुर मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष कौशल किशोर लोध , बीरा मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, जिला उपाध्यक्ष रामायण लोधी , विधायक प्रतिनिधि हनुमंत प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य दिनेश भुर्जी, महामंत्री मनोज राजा, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वृंदावन पटेल, जनपद सदस्य लालाराम लोध, सरपंच रामगोपाल, सरपंच मातादीन, सरपंच प्रतिनिधि चंद्रशेखर यादव, राजेश मिश्रा, कल्याणपुर सरपंच प्रतिनिधि मुखिया जी, जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी और सचिव ,रोजगार सहायक और जनता जनार्दन उपस्थित रहीं।

देवबंद के श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले में उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के सहायता शिविर का उद्घाटन

मंच अध्यक्ष चौधरी ओमपाल सिंह ने राज्य मंत्री बृजेश सिंह को प्रतीक चिन्ह भेंट किया एवं शिवकुमार ने पटका पहनकर स्वागत किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद के श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले में उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के सहायता शिविर का उद्घाटन राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने फीता काटकर व नारियल तोड़कर किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि देखा जा रहा है कि काफी वर्षों से उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच मेले में सहायता शिविर के माध्यम से पानी पिलाना, लाइन में व्यवस्था कराना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना, निःशुल्क चिकित्सा सहायता करना व श्रद्धालुओं की सेवा करता आ रहा है जो कि सराहनीय कार्य है। इसके लिए मंच के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने मंच की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के अध्यक्ष चौधरी ओमपाल सिंह ने राज्य मंत्री बृजेश सिंह को प्रतीक चिन्ह भेंट किया एवं शिवकुमार ने पटका पहनकर स्वागत किया। इस अवसर पर देवबंद नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग, मेला अध्यक्ष पति श्याम चौहान, ब्लॉक प्रमुख विजय त्यागी, गन्ना समिति अध्यक्ष डॉ उपेंद्र गुर्जर, मेला इंचार्ज विकास चौधरी, अर्जुन चौधरी, प्रधान मिरगपुर अंग्रेस पवार, सुशील जाटव, अशोक शर्मा, खेमकरण, विजय बजाज, हाजी हनीफ, राकेश, डॉ सुरेंद्र धीमान, डॉक्टर बीपी सिंह, दिनेश ऋषि, मा0 जनेश्वर आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पन्ना में वॉइस ऑफ़ मीडिया संगठन की गुनौर और अमानगंज ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा

राम नरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, वॉइस ऑफ मीडिया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काले के निर्देश पर दीपक शर्मा प्रदेश अध्यक्ष की अनुशंसा पर पन्ना जिला अध्यक्ष राकेश पाठक ने शुक्रवार को गुनौर एवं अमानगंज का दौरा किया और विश्रामगृह में बैठक आयोजित की गई। जिसमें गुनौर ब्लॉक से राजेंद्र चौबे को अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई साथ ही अमानगंज ब्लॉक से रविंद्र शर्मा को ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया गया । इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा विजय द्विवेदी को संभागीय अध्यक्ष व राजेश पांडे को संभागीय उपाध्यक्ष घोषित किया गया। इस दौरान सभी चयनित पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कुमार पाठक,पंकज दुबे, बृजेंद्र द्विवेदी,अनूप तिवारी, विपिन पाठक,महेंद्र सिंह,नरेश गुप्ता,रामनरेश विश्वकर्मा,साथ ही पवई से अनूप शुक्ला, रोहिणी प्रसाद उपाध्याय,बालेंद्र पांडे,दिलीप सिंह मौजूद रहे।

देवबंद के दून वैली पब्लिक स्कूल के छात्र दिव्य मोंगा ने सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राज्य स्तरीय युवा संसद में अपना जलवा बिखेरा

स्कूल चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता व प्रधानाचार्या डॉ0 सीमा शर्मा ने दिव्य मोंगा को विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद के लिए एक गौरवपूर्ण और यादगार पल रहा, जब विद्यालय के कक्षा 11 के एक छात्र दिव्य मोंगा ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन में आयोजित प्रतिष्ठित विकसित भारत युवा संसद के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक प्रभावी भाषण दिया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे, जिससे यह अवसर और भी खास हो गया। छात्र सहारनपुर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान 150 प्रतिभागियों में से चुने गए शीर्ष तीन में शामिल था। पूरे राज्य से केवल 240 छात्रों को राज्य स्तरीय दौर के लिए चुना गया, जिससे यह उपलब्धि एक उल्लेखनीय मील का पत्थर बन गई। दिव्य मोंगा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह पल उसके जीवन के सबसे बेहतरीन पलों में से एक था। उन्होंने अपने स्कूल की प्रधानाचार्या और अपने सभी शिक्षकों को धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए लगातार प्रेरित और प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता व प्रधानाचार्या डॉ0 सीमा शर्मा ने दिव्य मोंगा को विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पोषण पखवाड़ा स्वास्थ्य शिविर आयोजित, महिलाओं को दी गई आवश्यक जानकारी

बुरहानपुर- कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिले में पोषण पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में कार्ययोजना अनुसार आयुष विभाग द्वारा बुधवार को आलमगंज आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक-1 में शासकीय यूनानी औषधालय व आंगनवाड़ी केन्द्र पलासुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान धात्री महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को संतुलित आहार से संबंधित जानकारियों से अवगत कराया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं को प्रथम माह से 9 माह तक के आहार विहार को चार्ट के माध्यम से समझाया गया।

कार्ययोजना अनुसार औषधियाँ का प्रथम माह में मुलेठी, अश्वगंधा आदि का उपयोग भी बताया गया। महिलाओं को गर्भावस्था में होने वाली समस्याओं से निजात पाने हेतु आहार-विहार व योगासान व ध्यान की भी जानकारी प्रदान की गई। ग्रीष्मकाल में लू, तापघात से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में छाछ, निम्बू पानी, आम का पन्ना आदि पेय पदार्थ व तरल सूपचाय आहार का सेवन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं को स्वास्थ्य सेवायें दी गई। शिविर के माध्यम से 49 महिलाओं को लाभान्वित किया गया।इसी प्रकार दाउदपुरा आंगनवाड़ी क्रमांक-1 में शासकीय यूनानी औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर दाऊदपुरा द्वारा किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों के लिए एनीमिया जागरूकता शिविर लगाया। शिविर में 25 किशोरी बालिकाओं को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला मौजूद रहा।

दमोह में मनाया गया विश्व होम्योपैथिक दिवस, डॉ सैमुअल हैनीमैन को किए श्रृद्धा सुमन अर्पित

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, दमोह में होम्योपैथिक संगठन द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल हैनीमैन की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। यह आयोजन हेल्थ एंड होप होम्योपैथिक क्लिनिक में डॉ सोनल राय एवं डॉ प्रिया श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में शहर के कई प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सकों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ सुधीर वैद्य, डॉ प्रिया श्रीवास्तव, डॉ स्वदेश पटेल, डॉ नेहा गौतम, डॉ रुबी नेमा, डॉ चंदन शाक्य, डॉ श्वेतल पटेल, डॉ जानकी अहिरवार एवं डॉ मोहिनी जैन शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ प्रिया श्रीवास्तव ने डॉ हैनीमैन को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपने पिता दिवंगत श्री जी. एस. श्रीवास्तव को भी याद किया। उन्होंने बताया कि डॉ जी. एस. श्रीवास्तव न केवल एक योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक थे, बल्कि उन्होंने जीवन भर गरीबों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान कर समाजसेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सभी डॉक्टरों ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के महत्व एवं इसकी भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य होम्योपैथी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना एवं इसके जनहितकारी योगदान को रेखांकित करना था।

बिजली के झूलते तार से टकराई ट्रैक्टर-ट्रॉली

गेहूं की फसल जलकर हुई राख

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, अमरपाटन थाना क्षेत्र के बीदा गांव में झूल रही तार की चपेट में आने से ट्रॉली में लदे गेहूं में आग लगने से फसल जलकर राख हो गई । जानकारी अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बीदा गांव निवासी किसान प्रदुम्न रावत खेत से ट्रैक्टर ट्रॉली में लोड कर गेहूं की फसल को राहें में लेकर जा रहा था तभी रास्ते में उनकी ट्रॉली झूलते हुए बिजली के तार से टकरा गई और तार से निकली चिंगारी से देखते ही देखते ट्रॉली में आग फैल गई मौके पर उपस्थित किसानों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके। हालाकि बाद में अमरपाटन से फायर बिग्रेड वाहन भी पहुंचा था।

भाजपा की छह दिवसीय ध्येय यात्रा प्रदर्शनी का जिला भाजपा कार्यालय में हुआ शुभारंभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला दमोह द्वारा भारतीय जनता पार्टी 6 दिवसीय ध्येय यात्रा प्रदर्शनी (1980 से 2025 तक का) का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन दमोह जिला भाजपा कार्यालय में किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार जैन ने बताया प्रदर्शनी का शुभारंभ दमोह भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, दमोह सांसद राहुल सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष विद्यासागर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह, जिला महामंत्री सतीश तिवारी, गोपाल पटेल के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे पूर्व जिला अध्यक्ष ने बहुत ही अच्छी बात कही कि देश को आजादी तो 1947 में मिल चुकी थी परंतु सांस्कृतिक एवं राष्ट्रवादी स्वतंत्रता की परिकल्पना आज हम 2024 आते-आते देख रहे हैं, हमारे ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों जैसे श्री राम जन्मभूमि मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल मंदिर उज्जैन कॉरिडोर जैसे अनेक ऐसे स्थल है जिनके उन्नयन एवं विकास का कार्य किया गया। इस ध्येय यात्रा प्रदर्शनी का उद्देश्य यही है कि हमारे जो वरिष्ठ कार्यकर्ता जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय जनता पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का कार्य किया है, उनके संघर्ष और मेहनत को संकलन करने का कार्य करना है। हमारे पूर्व जिला अध्यक्षों से भेंट कर उनके संस्मरण जानकर आने वाले समय में युवा मोर्चा द्वारा एक इतिहास पुस्तिका बनाने का कार्य का प्रयास किया जाएगा।

सांसद राहुल सिंह ने कहा कि इस अवसर पर मैं आग्रह करना चाहूंगा कि हमारी पार्टी के वह कार्यकर्ता जिन्होंने उस समय कार्य किया जब हमारी पार्टी शून्य पर थी। आपातकाल के समय ऐसे समय उन लोगों ने कैसे कार्य किया होगा जब कांग्रेस की निरंकुश सरकार तानाशाही पर उतारू थी। ऐसे हमारे मूल कार्यकर्ताओं का हम सभी अभिनंदन करते है। भारतीय जनता पार्टी जिसके एक समय केवल दो सांसद हुआ करते थे आज विगत 10 वर्षों से भी अधिक समय से केंद्र में सरकार चला रही है। इसका श्रेय उन सभी कार्यकर्ताओं को है जिन्होंने एक गिलहरी की तरह अपना अमूल्य योगदान दिया है। आप लोगों के योगदान की वजह से ही श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, सीएए, धारा 370 हटाना, वफ्त बोर्ड संशोधन बिल लाना जैसे राष्ट्रहित कार्य हो पाए।

पूर्व जिला अध्यक्ष विद्यासागर पांडे ने अपने संबोधन में भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक के संघर्ष और यात्रा वृत्तांत को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जब कार्य करने के लिए कार्यकर्ता मिलना मुश्किल होता था उस समय मूल कार्यकर्ताओं ने कड़े संघर्ष से संगठन को आगे बढ़ने का कार्य किया। आज कार्यकर्ताओं की संख्या विश्व में कीर्तिमान रच रही है लेकिन इसका श्रेय उन कार्यकर्ताओं को है जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भारतीय जनता पार्टी के झंडे को थामे रखने का कार्य किया।

पूर्व जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कि एक वह समय था जब बहुत ही सीमित संसाधन के द्वारा कार्यकर्ता संगठन का कार्य करते थे उन्हीं के अथक प्रयासों से आज भारतीय जनता पार्टी का यह विशाल वटवृक्ष दिखाई दे रहा है। भारतीय जनता पार्टी की यह ध्येय यात्रा असंख्य कार्यकर्ताओं के संघर्ष और कर्तव्य निष्ठा को प्रदर्शित करती है।

जिला महामंत्री सतीश तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय कार्यकर्ता का मिलना मुश्किल होता था जब पार्टी की बैठक करना होती थी तो किसी एक कार्यकर्ता के प्रतिष्ठान या घरों में बैठकें होती थी उस समय किस तरह हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कार्य किया होगा इसकी कल्पना करना भी आज हम सभी के लिए कठिन है।

कटनी के पुरैनी में हुई हत्याकांड का हुआ खुलासा

बेटी के प्रेमी ने की प्रेमिका के पिता की बेरहमी से हत्या

सुनील यादव । सिटी चीफ। कटनी, कटनी जिले के कुठला थाना क्षेत्र के पुरैनी इलाके में 9 अप्रैल की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई थी जब वेलवेदर स्कूल के पास एक व्यक्ति का लहूलुहान शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान सिनोद कोल के रूप में हुई थी। प्रारंभिक जांच में ही मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ और पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच में जो खुलासा हुआ, उसने सभी को चौंका दिया। मृतक की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी ही बेटी के नाबालिग प्रेमी ने की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी युवक ने सिनोद कोल को शराब पिलाने के बहाने अपने साथ सुनसान इलाके में बुलाया और फिर सुनसान जगह पर ले जाकर नाबालिक प्रेमी के साथ मृतक के बीच झगड़ा होने लगा और नाबालिक प्रेमी ने सिनोद कोल के सिर पर पत्थर पटककर बेरहमी से हत्या कर दी। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने इस आंधी हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक सिनोद कोल ने कुछ माह पहले अपनी बेटी को उस नाबालिग प्रेमी के साथ देख लिया था। उसे यह रिश्ता मंजूर नहीं था और वह अपनी बेटी को समझाने की कोशिश कर रहा था। यह बात नाबालिक आरोपी युवक को नागवार गुज़री। आरोपी पहले ही नाराज़ था क्योंकि मृतक अपनी बेटी को उससे मिलने नहीं दे रहा था। इसी रंजिश और डर के चलते कि कहीं बात और न बिगड़ जाए, उसने हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दे डाला। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया है।...यह वारदात न केवल एक परिवार को उजाड़ गई, बल्कि समाज को यह सोचने पर भी मजबूर कर गई कि किस दिशा में जा रही है आज की युवा पीढ़ी और क्या वाकई रिश्तों की अहमियत अब खत्म होती जा रही है?

कटनी में खून से लथपथ युवक का शव मिलने से सनसनी

डॉग स्क्वॉड के जरिए सुराग की तलाश में पुलिस

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र के लखेरा इलाके में एक युवक का खून से सना शव मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डॉग स्क्वॉड की मदद से साउथ स्टेशन तक सुराग भी मिले हैं।

कटनी के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र में साउथ स्टेशन के पास खुले मैदान में अजय भूमिया नामक 35 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव बरामद हुआ है।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवीन नामदेव पुलिस टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान डॉग स्क्वॉड का डॉग सीधे साउथ स्टेशन तक पहुंचा, जहां प्लेटफॉर्म के किनारे खून के निशान मिले। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत या तो किसी भारी वाहन की टक्कर से हुई है या फिर मामला हत्या का हो सकता है। रंगनाथ नगर थाना प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि एक युवक का शव मिला है। मौके पर पहुंचकर शव की पहचान अजय भूमिया के रूप में हुई। डॉग स्क्वॉड की मदद से हमने साउथ स्टेशन तक जांच की, जहां खून के निशान मिले हैं। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ हो पाएगा कि यह हत्या थी या दुर्घटना।

नारायणपुर में धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र कांडुलपार में नवीन पुलिस कैंप खुलते ही 05 माओवादियों ने हथियार के साथ किया आत्मसर्पण

समाज के मुख्य धारा में जुड़ने की ली शपथ

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ नारायणपुर, श्री सुन्दरराज पी. (भा.पु.से.) पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर, श्री अमित तुकाराम काम्बले (भा.पु.से.) पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रेंज कांकेर के मार्गदर्शन, श्री प्रभात कुमार (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, श्री नरेन्द्र सिंह सेनानी 41वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री दुष्यंत राज जयसवाल सेनानी 29वीं वाहिनी आईईटीबी, श्री राजीव गुप्ता 45वीं वाहिनी आईटीबीपी, श्री अमित भाटी 53वीं वाहिनी आईईटीपी, श्री नवल किशोर 135वीं वाहिनी बीएसएफ, श्री कमल सिंह शर्मा 133वीं वाहिनी बीएसएफ एवं अति. पुलिस अधीक्षक नारायणपुर श्री रोबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में नारायणपुर पुलिस द्वारा आईटीबीपी, बीएसएफ, एसटीएफ की संयुक्त बल साथ माओवादियों के विरूद्ध क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी ''माड़ बचाव'' अभियान चलाये जा रहे है।

नक्सल उन्मुलन अभियान और अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर आज दिनांक 11.04.2025 को श्री प्रभात कुमार (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, श्री रोबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) , श्री सुशील कुमार नायक अति. पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, उप पुलिस अधीक्षक श्री कुलदीप बंजारे अमृता पैकरा उप पुलिस अधीक्षक के समक्ष भरमार हथियार व आइएडी मे प्रयुक्त किये जाने वाले एक नग कुकर के साथ आत्मसमर्पण किये। आत्मसमर्पण करने पर सभी को प्रोत्साहन राशि 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया एवं उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिलाया जायेगा। इस अवसर पर अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आत्मसमर्पित के नाम/पद

1. लिमचु वड़दा पिता स्व. पंडरा वड़दा उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम बेरेलटोला पंचायत पांगुड़ थाना सोनपुर जिला नारायणपुर (छ.ग.) पद- बेरेलटोला जनताना सरकार अध्यक्ष, ईनामी 01 लाख
2. सुक्कू नुरेटी पिता स्व. गोर्वधन उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम बेरेलटोला पंचायत पांगुड़ थाना सोनपुर जिला नारायणपुर (छ.ग.) पद- डीएकेएमएस अध्यक्ष, ईनामी 02 लाख
3. कृष्णा नुरेटी पिता बसुराम उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बेरेलटोला पंचायत पांगुड़ थाना सोनपुर जिला नारायणपुर (छ.ग.) पद- मिलिशिया सदस्य
4. लालू राम मण्डावी पिता स्व. ढेलू राम उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम बेरेलटोला पंचायत पांगुड़ थाना सोनपुर जिला नारायणपुर (छ.ग.) पद- बेरेलटोला सरकार सदस्य
5. कटियाराम मंडावी पिता स्व. ढेलू राम उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम बेरेलटोला पंचायत पांगुड़ थाना सोनपुर जिला नारायणपुर (छ.ग.) पद- नक्सल सहयोगी

छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल उन्मूलन नीति नियद नेल्लानार के वृहत प्रचार-प्रसार एवं बड़े कैडर के माओवादियों के आत्ससमर्पण पश्चात सरकार द्वारा उनको दी जा रही विभिन्न सुविधाओं से पुनर्वास की प्रक्रिया की सरलता से प्रभावित होकर ये सभी माओवादी आत्मसमर्पण किये है।

माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण के पीछे माड़ और नारायणपुर जिले में चलाये जा रहे विकास कार्य बड़ा कारण रहा तेजी से बनती सड़कें, गावों तक पहुँचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। संगठन के विचारों से मोहभंग एवं मिली निराशा, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद इनके आत्मसमर्पण का बहुत बड़ा कारण है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति ने उन्हें नई उम्मीद दी है। आत्मसमर्पित माओवादी क्षेत्रान्तर्गत सक्रिय रूप से कार्यरत रहे है। आने वाले समय में और भी नक्सलियों के संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण करने की गोपनीय आसूचना है। आत्मसमर्पण कराने में नारायणपुर पुलिस एवं आईटीबीपी, बीएसएफ का विशेष योगदान है। इस प्रकार नक्सलियों का हो रहे आत्मसर्पण से शीर्ष माओवादी कैडर के लिए बड़ा नुकसान हुआ है। नक्सल मुक्त माड़ बचाव अभियान की कल्पना साकार रूप ले रहा है। एसपी नारायणपुर श्री प्रभात कुमार (भा.पु.से.) ने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के फायदे, घर, नौकरी ने इन्हें आकर्षित किया है। इन्होने आत्मसमर्पण माड़ एवं खुद की भलाई के लिए सोचा है, और ''माड़ बचाओ अभियान ने उन्हें अब एक नई आस दी है। माओवादी की विचारधारा में भटके नक्सलियों को उनके घर वाले भी वापस लाना चाहते है। हम सभी नक्सली भाई-बहनों से अपील करते हैं कि उनका बाहरी लोगों की भ्रामक बातों और विचारधारा से बाहर निकलने का समय आ गया है। अब समय माड़ को वापस उसके मूलवासियों सौंप देने का है जहाँ वे निर्भीक रूप से सामान्य जीवन व्यतीत कर सके।

पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग.. 9 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आप पर काबू पाया गया

पीथमपुर सेक्टर 3 इंडोरामा में इंडस्ट्रियल एरिया में देर रात पाइप बनाने वाली सिगरेट कंपनी में लगी भीषण आग कंपनी में लगी आग पर करीब 9 घंटे में काबू पाया जा सका। आग बुझाने में एक हजार लीटर फोम, 25 डंपर रेत और फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों का पानी लगा। आसपास की फैक्ट्रियों को लपटों से बचाने के लिए जेसीबी इस्तेमाल कर मिट्टी-रेत की दीवार बनाई गई थी।

एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने बताया कि सिग्नेट पाइप कंपनी में आग गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे लगी। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कंपनी प्लास्टिक के पाइप बनाती है। कच्चे माल की वजह से लपटें तेजी से बढ़ीं। इसमें कंपनी में खड़ी दो क्रेन भी जल गईं। नुकसान का आंकलन फिलहाल नहीं किया जा सका है।एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर अश्विन चौधरी ने कहा- 70 फायर फाइटर, नगर पालिका के 150 से ज्यादा कर्मचारी, एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब साढ़े 11 बजे आग बुझाई। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। नगर पालिका ने पूर्व में भी कंपनी को नोटिस दिया था इस घटना को लेकर सीएमओ निशिकांत शुक्ला का कहना है सिगरेट कंपनी में आग लगने के दौरान नगर पालिका के 50 कर्मचारी जुटे रहे । । वहीं पूर्व की घटना के दौरान कंपनी को नोटिस दिया गया था। साथी सुरक्षा बंदोबस करने के निर्देश दिए गए थे।लेकिन इस बार की घटना के दौरान भी सुररक्षा बंदोबस सुचारू नहीं थे।सिग्नेट कंपनी के ठीक पास की शिवांगी स्टील कंपनी के द्वारा काफी सहयोग किया गया एच आर हेमराज विश्वकर्मा ने बताया। घटना के बाद कंपनी द्वारा 18 से 20 पानी के टैंकर आग को काबू करने के लिए पहुंचाए गए।ओर कंपनी के करीब 30 मजदूर ने आग लगने के दौरान उसे बुझाने मै पूरा सहयोग किया। ओर कंपनी मैनेजमेंट से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की।

सेंट जोसफ कान्वेट स्कूल प्राचार्य पर पुलिस एफआईआर दर्ज करने हेतु लिखा पत्र

बिना अनुमति दो प्राचीन बरगद के वृक्षों को काटा

रतलाम सेंट जोसफ कान्वेंट स्कूल संचालक द्वारा स्कूल गेट के पास स्थित बरगद के दो वृक्ष बिना अनुमति के काटने की सूचना मिलने महापौर प्रहलाद पटेल स्थल पर पंहूचे जहां दो बरगद के वृक्ष कटे पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित को दिये। महापौर प्रहलाद पटेल ने मौके पर पाया कि स्कूल के गेट नम्बर 1 के पास स्थित प्राचीन बरगद के पेड़ एवं इसी गेट के बाहर शासकीय भूमि पर एक अन्य बरगद के पेड़ को बिना अनुमति काटा गया जो कि मध्यप्रदेश वृक्षों का परिरक्षण (नगरीय क्षेत्र) नियम 2002 का घोर उल्लघंन है। महापौर प्रहलाद पटेल ने निर्देशित किया कि स्कूल संचालक पर जुर्माना किया जाये साथ ही एफआईआर दर्ज की जाये। महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार प्राचार्य, सेंट जोसफ कान्वेंट स्कूल रतलाम के विरूद्ध प्राचीन बरगद के वृक्ष बिना अनुमति के काटे जाने पर एफआईआर दर्ज किये जाने हेतु थाना प्रभारी स्टेशन रोड़ को पत्र लिखा गया साथ ही इस जानकारी से वन विभाग को भी अवगत कराया गया।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव के बढ़ते कद से राजनेताओं में हलचल

नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव के बढ़ते कद से राजनेताओं में हलचल

बदनावर। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निकटता एवं रिश्तेदारी के कारण बदनावर के विकास में पंख लग गए हैं। उन्हें स्थानीय राजनीति में प्रभावशाली नेता के रूप में पूरे जिले में जाना जा रहा है। उनकी सक्रियता और विकास कार्यों में भागीदारी ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रियता बना दीया है। उनके नेतृत्व में तेजी से बदनावर में विकास हो रहा है। जिसके कारण स्थानीय राजनीतिक परिदृश्य में एक हलचल पैदा कर दी है। 10 अप्रैल को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव बदनावर पहुंचे थे जहां पर मुख्यमंत्री ने शेखर यादव को महत्व दिया एवं नितिन गडकरी से उनकी मुलाकात करवाई। इतने नेताओं में यादव को यादव ने महत्व दिया। मुख्यमंत्री के रिश्तेदार होने के कारण विकास कार्यों के लिए अब नगर परिषद बदनावर को किसी विधायक अनुशंसा की आवश्यकता नहीं भोपाल पहुंचकर विकास कार्य आसानी से हो रहे हैं। भाजपा विधायक राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के चुनाव हारने के बाद लग रहा था कि अब बदनावर में विकास का टोटा पड़ जाएगा पर शेखर यादव के बढ़ते राजनीतिक कद के कारण बदनावर में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। वही नगर परिषद में अन्य परिषद की तुलना में हर माह कर्मचारियों को सैलरी भी मिल रही है जबकि अन्य नगर परिषद में चार-चार महीने तक सैलरी ही नहीं बट पा रही है। शेखर यादव ने जिस प्रकार से बिना शोर-शराबे के काम पर फोकस किया, वार्डों की ज़रूरतों को प्राथमिकता दी, और आम जनता से सीधा संवाद बनाए रखा, विकास कार्यों की गति हो या पारदर्शिता की नीति हर मोर्चे पर उनका काम बोलता नज़र आ रहा है। दिसंबर 2023 में, शेखर यादव ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर बदनावर नगर के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का मांग पत्र सौंप था। इसमें उज्जैन-बदनावर फोरलेन मार्ग से बदनावर बड़ी चौपाटी तक आदर्श सड़क निर्माण और पिटगारा तिराहे से छात्रावास भवन तक फोरलेन सड़क की स्वीकृति की मांग शामिल थी। जिसमे से आदर्श सड़क मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले ही स्वीकृत कर चुके है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

बड़वानी कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर की उपस्थिति में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य संस्थानों में समग्र सुरक्षा नीति का निर्माण कर उसे प्रभावी रूप से लागू करने एवं विभिन्न सुरक्षा पहलुओं को सम्मिलित करने वाले मानक संचालन प्रक्रियाएं विकसित करने संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी के संबंध में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिला स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों के मुख्य प्रवेश द्वार पर कैमरे अवश्य लगाएं एवं साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि किसी ना किसी की ड्यूटी लगाकर इसकी सतत् निगरानी में रखे । ताकि कोई अप्रिय घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया स्वरूप कार्यवाही की जा सके। आपातकालीन स्थितियों जैसे हिंसक भीड़ इत्यादि घटनाओं के लिए समुचित व्यवस्था रखे। प्रवेश व भीड़ नियंत्रण के संबंध में विजिटर पालिसी लागू करने हेतु निर्देशित किया। जिसमें 1 मरीज के साथ एक समय पर 1 अटेण्डेंर हो साथ ही समय निर्धारित कर 1-2 घंटे की छूट हो जिसमें 4 से 6 व्यक्ति को मरीज से मिलने की अनुमति हो। सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किये जाने हेतु नियमित सुरक्षा आडिट जैसे फायर एनओसी आदि का

निरीक्षण रिपोर्ट नियमित अंतराल पर वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित करे। स्वास्थ्य संस्थानों पर बाउण्ड्रीवाल है या नही क्योकि अगर हर स्वास्थ्य संस्थानों में बाउण्ड्रीवाल होगी तो सुरक्षा संबंधी कई समस्याओं का निराकरण स्वतः हो जायेगा। स्थानीय डायल 100 प्रतिदिन स्वास्थ्य संस्थाओं में पेट्रोलिंग करे। रात में पुलिस की गश्त, टीमे जब भी स्वास्थ्य संस्थाओं में पेट्रोलिंग के लिए जाये तो वहां रखे रजिस्टर में इन्ट्री जरूर करे। ताकि रिकार्ड हो कि गश्त करने वाली गाड़ी संस्था में पेट्रोलिंग हेतु नियमित रूप से आ रही है या नही। पार्किंग एरिया सुरक्षा की दृष्टि बहुत ही संवदेनशील होता है अतः गार्ड की ड्यूटी लगवाकर बैरिकेटिंग्स के माध्यम से पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाये।समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में आउटसोर्स प्रणाली के माध्यम से कार्यरत कर्मियों का पुलिस वेरीफिकेशन करवाये। बैठक में अपर कलेक्टर केके मालवीय, एसडीएम सेंधवा श्री आशीष, बड़वानी भूपेन्द्र रावत, पानसेमल रमेश सिसोदिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे, सिविल सर्जन डॉ. अनिता सिंगारे सहित अन्य उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास पत्र वितरण एवं स्वयं सहायता समूह बहनों का किया सम्मान

देवास कन्नौद

शुक्रवार को नगर में स्थित परिणय गार्डन पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास पत्र वितरण एवं स्वयं सहायता समूह बहनों का सम्मान किया।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या है तो वह पानी की समस्या है। पानी है तो खेती है पानी बहनों के लिए भी जरूरी है। हैंड पंप सूख रहे हैं पानी नीचे जा रहा है। लेकिन समाधान करेंगे नर्मदा जी का पानी मां रेवा सिंचाई योजना से किसान लाभांवित होंगे। पीने का पानी भी आएगा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव-गांव में पाइपलाइन बिछा कर पानी की टंकी बनाकर घर-घर पानी पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हमने सर्वे कराया, लगभग 31 सड़के और हम इस क्षेत्र में देने वाले हैं। मेरे ग्रामीण विकास मंत्री बनने के बाद 10400 गरीबों को मकान स्वीकृत किए हैं और आज स्वीकृति पत्र भी बाटे हैं। बाकी जो नाम रह गए हैं उनके लिए सर्वे का अभियान जारी है। एक और सपना है गरीबी मुक्त गांव धीरे-धीरे बनाने का, केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार दोनों की सरकार की योजनाओं को आदर्श ढंग से क्रियान्वित करते हुए धीरे-धीरे गरीबी मुक्त गांव हर परिवार को रोजगार से जोड़ने का आजीविका से जोड़ने का प्रयास करेंगे । आजीविका मिशन के अंतर्गत लखपति दीदी बनाने का भी अभियान चल रहा है। 11050 समूह की बहने जिनको लगभग 33 करोड़ की राशि बैंकों से मिली है तेजी से नए-नए काम धंधे शुरू कर रही है। लगातार क्षेत्र आगे बढ़ रहा है।

विधायक पं आशीष शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास पत्र स्वयं सहायता समूह बहनों का सम्मान एवं लाडली बहनों व सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में संपन्न हुआ। जिसमें जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव,जिला उपाध्यक्ष राजेश जोशी, पूर्व विधायक बृजमोहन धूत, तेजाजी बोर्ड अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गोरा, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री माया पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष जाट, उपाध्यक्ष संदीप धूत, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रेवाराम सारण, हुकुम पटेल , राधु खत्री एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया

कसरावद आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 14 पर प्रभारी परियोजना अधिकारी उमा नरवरिया के निर्देशन में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के माता पिता एवं पत्रकार संघ अध्यक्ष नितिष लुणिया, पत्रकार जितेंद्र पाटीदार एवं राजेश सुल्ताने को आमंत्रित किया गया। और पोषण के बारे में बताया गया पर्यवेक्षक मनीषा यादव रुक्मणी यादव विमला वर्मा आगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रमिला पाटीदार इन सबके द्वारा हितग्राही महिलाओं को पौष्टिक भोजन वजन ऊंचाई वृद्धि निगरानी बच्चों के संपूर्ण विकाश हेतु आधारशिला नवचेतना के बारे में बताया गया हितग्राहियों को पोषण ट्रैकर ऐप

डाउनलोड करवा कर अपने बच्चों की पोषण निगरानी के बारे में बताया गया प्रमिला पाटीदार द्वारा अनाजों की रंगोली पोषण वृक्ष पोषण मटका पोषण आधारित चार्ट बनाकर समझाया गया किस माह के बच्चे को कितना पोषण कितनी बार कितनी मात्रा की आवश्यकता होती हे एक स्वस्थ बच्चा किस उम्र में क्या क्या गतिविधियां करने लगता हे गर्भावस्था से ही बच्चे का विकाश प्रारंभ हो जाता हे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान ओर 6 माह तक केवल स्तनपान ही करवाना चाहिए 6 माह के बाद ऊपरी आहार टीकाकरण ओर इन सब मे समुदाय की भागीदारी सहयोग कितना महत्वपूर्ण है बताया गया इन सब को प्रतिदिन की दिनचर्या में अपनाने ओर बच्चों को आगनवाड़ी भेजने का आग्रह किया गया प्रमिला पाटीदार और शीला यादव द्वारा उपस्थिक पत्रकार महोदय वह सभी पर्यवेक्षक मैडम वार्ड की मातृशक्ति महिलाओं अभिभावकों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया

थाना खाचरोद पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब का घर में संग्रहण करने वाले एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से कुल 232 क्वार्टर देशी शराब किमती लगभग 18,560/-रूपये(अठ्ठारह हजार पाँच सौ साठ रूपये) को किया गया जप्त ।

खाचरोद- पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा अवैध शराब परिवहन/क्रय विक्रय व शराब तस्करी करने वाले आरोपीयों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।इसी क्रम में थाना खाचरौद पुलिस को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक आदतन अपराधी को शराब तस्करी/ संग्रहण करते हुए गिरफ़्तार करने में सफलता मिली है **।घटना विवरण एवं पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही-** इसी तारतम्य में थाना खाचरौद पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भुवासा के निवासी शेरसिंह राठौर पिता मनोहर सिंह राठौर के मकान में अवैध रूप से काफी मात्रा में अवैध शराब रखी हुई है । उक्त मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी खाचरौद धनसिंह नलवाया द्वारा थाने पर एक टीम गठित कर आरोपी शेरसिंह पिता मनोहर सिंह राठौर जाति राजपूत उम्र 47 साल निवासी ग्राम भुवासा के निवास स्थान पर पहुचे जहा बाद आरोपी शेरसिंह राठौर घर पर उपस्थित मिला बाद आरोपी की सहमति अनुसार आरोपी के घर की तलाशी ली गयी , तलाशी के दौरान आरोपी के घर से कुल 232 देशी शराब के क्वार्टर किमती कुल लगभग 18,560/- रूपये प्राप्त हुये । उक्त 232 देशी शराब के क्वार्टर को ले जाने व उनका परिवहन करने व उन्हे घर पर रखने के सबंध में दस्तावेज के सबंध में शेरसिंह से पूछने पर कोई दस्तावेज नही होना पाया गया बाद आरोपी के कब्जे से कुल 232 क्वार्टर देशी शराब को विधिवत जप्त कर थाना लाया गया व *आरोपी शेरसिंह राठौर के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत धारा 34 आबकारी एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । **आरोपी का विवरण व आपराधिक रिकार्ड** -01. शेरसिंह पिता मनोहर सिंह राठौर जाति राजपूत उम्र 47 साल निवासी ग्राम भुवासा उज्जैन आरोपी के विरुद्ध थाना खाचरोद में पूर्व से आबकारी एक्ट के तहत कुल 02 अपराध पंजीबद्ध हैं 01. अपराध क्र. 431/14 धारा 34 आबकारी एक्ट 02. अपराध क्र. 637/21 धारा 34 आबकारी एक्ट **आरोपी से जप्ती का विवरण-** आरोपी शेरसिंह राठौर से कुल 232 क्वार्टर देशी शराब कुल कीमत 18,500 को विधिवत जप्त किया गया **सराहनीय भूमिका-** संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खाचरौद धनसिंह नलवाया , उनि अमित डाबर , प्रआर अशोक कटारा , आर.589 मनीष कुमार की मुख्य भूमिका रही।

जल स्त्रोंतो को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आ रहे है आगे.

इन्दौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ने लग गये है। शहर हो या गांव सभी जगह जल स्त्रोंतो को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे है। भविष्य के लिये जल और जीवन बचाने हेतु लोगों में इस अभियान के प्रति बड़ा उत्साह देखा जा रहा है। इंदौर जिले में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत बिसनावदा तथा बड़ी कलमेर में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों,नवांकुर संस्था,मेंटर,प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों एवं ग्रामीणों द्वारा जल संरक्षण हेतु जल है तो कल है, जल है तो जीवन है के नारो

के साथ जल यात्रा निकाली गई। जल संवाद कार्यक्रम किये गये। इसके पश्चात ग्राम के छोटे तालाब में श्रमदान कर पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने,जल को बचाने,पेड़-पौधों के संरक्षण एवं गांव-गांव में जन जागरूकता हेतु शपथ गई। विद्यार्थियों द्वारा जल संरक्षण से संबंधित नारों का दीवार लेखन कर अभियान का प्रचार-प्रसार भी किया गया । घर-घर जाकर जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। जल की हर एक बूंद को सहेजने एवं उसके संरक्षण हेतु संदेश दिया गया। जल संवाद एवं श्रमदान में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य श्री दिलीप पटेल,श्री कैलाश चौधरी, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े,विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा,ग्राम पंचायत सचिव अनिल गुर्जर,प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष डॉ.दिनेश चौधरी, सचिव सुनील चौधरी,धीरज सिंह झाला,नवांकुर संस्था से दिनेश केलवा, राजेश तंवर, हेमेंद्र शर्मा श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा,वीरेंद्र तिवारी, शिव फुलपगारे, चिंतामन परिहार, सचिन पयासी एवं अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद् जिला शाजापुर ब्लॉक शाजापुर जल गंगा संवर्द्धन अभियान

श्रमदान के पूर्व के चित्र

श्रमदान के पश्चात के चित्र

शाजापुर मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोह यादव एवं परिषद के मान उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर जी (राज्यमंत्री दर्जा) के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में मुख्य रूप से जन जागरूकता, जन सहभागिता, जन रचनात्मकता एवं जन सहभागिता दस्तावेजीकरण पर कार्य किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आदर्श गांव सुन्दरसी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बावड़ी की साफ सफाई व श्रमदान किया गया। आदर्श गांव सुन्दरसी (सुंदरगढ़) में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 200 वर्ष पुरानी (रावला) बावड़ी पर श्रमदान कर स्वच्छता की गई। सुन्दरसी, 10 अप्रैल 2025 ङ्क मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की चयनित नवांकुर संस्था अराधना जनकल्याण सामाजिक समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आदर्श गांव सुन्दरसी

में महाँकाल मंदिर के पास रावला बावड़ी पर श्रमदान व स्वछता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था आराधना जनकल्याण सामाजिक समिति के जीवनसिंह परिहार ने जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को एकजुट होकर उन सार्वजनिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार करना चाहिए, जो पूर्वजों द्वारा निर्मित किए गए थे और अब अस्तित्वहीन हो रहे हैं। इनमें कुएं, बावड़ियां, तालाब, नदियां पर सामाजिक सामूहिकता व जन भागीदारी के साथ कार्य करने हेतु जागरूक किया जाना आवश्यक हैं। दूसरे चरण में संस्था द्वारा इस बावड़ी के रंग रोगन व रखरखाव पर कार्य किया जाएगा साथ ही पास में एक और बावड़ी है जिस पर भी श्रमदान कर सफाई कार्य किया जावेगा। इस कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्रसिंह राठौड़ द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि आदर्श गांव सुन्दरसी में जल गंगा संरक्षण अभियान के निमित्त आगामी दिनों में जल मंदिर प्याऊ व जल गंगा कलश यात्रा का आयोजन भी किया जावेगा इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु गुर्जर, सरपंच देवीसिंह छावड़ी, तेजसिंह जी राठौड़, प्रीतम सिंह राठौड, राम गुर्जर, मुकेश प्रजापति, गोविंद सिंह चौहान, मदनलाल बाली, रोजगार सहायक अर्जुन अंगोरिया, लखन मालवीय, आकाश बाली, शिवराज सिंह राठौड़, ष्टस्ष्टस्छक्क परामर्शदाता बहादुर सिंह सोलंकी, लता बाघेला, अँगूरबाला जायसवाल, सुगन कुम्भकार, सीमा जायसवाल, मीना बाली, रेशम बाई, बाबूलाल जी गुर्जर, चन्दन सिंह चौहान, नवांकुर संस्था के जीवनसिंह, प्रस्फुटन समिति के डॉ राजेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सागर कलेक्टर की अभिनव पहल...कलेक्टर ने परीक्षा के बाद और परिणाम से पूर्व होने वाले तनाव पर विद्यार्थियों से किया संवाद

सागर

तनाव मुक्त रखने के लिए बच्चों से अभिभावक, शिक्षक मित्रवत व्यवहार रखें, समय का विशेष प्रबंध करें

तनाव दूर करने के लिए मित्र अवश्य बनाएं -कलेक्टर श्री संदीप जी आर

स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए आपकी हॉबी और फ्रेंड्स की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण- पुलिस अधीक्षक श्री शाहवाल

तनाव मुक्त रहने के लिए विद्यार्थियों से अभिभावक और शिक्षक मित्रवत व्यवहार रखें। सभी विद्यार्थी समय का विशेष प्रबंध करें, तनाव दूर करने के लिए मित्रो से बात साझा करें। उक्त विचार कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अपने तरीके की पहली और अभिनव पहल करते हुए की। उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परीक्षा परिणाम आने के पूर्व बच्चों को तनाव मुक्त रखने के लिए आज कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल के साथ छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन, जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश मिश्रा, बीईओ श्री मनोज तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि आप परीक्षा के बाद परिणाम का तनाव न लें क्योंकि परीक्षा तो जिंदगी का हिस्सा हैं। आप जीवन के अलग-अलग पड़ाव में विभिन्न परीक्षाएं देते हैं अतः आप परीक्षा देते रहें और आगे बढ़ते रहें। उन्होंने कहा कि असफलता अंत नहीं बल्कि शुरुआत है और असफलता ही सफलता के नये द्वार खोलती है। इसलिए हमें असफलता पर निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने गीता के श्लोक का जिक्र करते हुए कहा कि कर्म करते चलो फल की इच्छा मत करो, आपको कर्म के हिसाब से फल अवश्य मिलेगा। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि पढ़ने के साथ-साथ खेलना भी जरूरी है। खेलने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, आप धूप में भी अवश्य खेले और भरपूर विटामिन डी लें। आप खेल में भी अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी जागरूक बनें, और अपने आसपास हो रही घटनाओं, चीजों से लगातार सीखते रहे। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं-

12वीं का परीक्षा परिणाम संभवत 8 मई को आएगा जिसमें आप सफल-असफल होते हैं तो आप निराश न हो। उन्होंने समस्त अभिभावकों व शिक्षकों से कहा कि आप लगातार अपने बच्चों की काउंसलिंग करते रहें और उनके मन की बात समझते रहें। उनसे मित्रवत व्यवहार रखें। आपका मित्र कोई भी हो सकता है आपके माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, दादा, दादी, भाई-बहन, नाना-नानी, पुस्तक, डायरी कोई भी मित्र हो सकता है मित्र जरूर बनाएं। उन्होंने कहा कि अपने आप में आत्मविश्वास रखें। पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल ने बच्चों से कहा कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए आपकी हॉबी और फ्रेंड्स की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपकी हॉबी के माध्यम से आप स्ट्रेस मैनेजमेंट कर सकते हैं और स्ट्रेस दूर करने के लिए मित्र से स्ट्रेस के बारे में चर्चा की जा सकती है और उसे दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे तनाव मुक्त रहें और यदि आप किसी प्रकार के तनाव में है तो उसे शेयर अवश्य करें। क्योंकि तनाव को दूर किया जा सकता है किंतु तनाव को रखते हुए यदि कोई घटना होती है तो वह जिंदगी भर दूर नहीं की जा सकती। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद जैन ने कहा कि लक्ष्य को सदैव बड़ा रखें और उस पर ही काम करें। अपनी समस्याओं को दूसरों से शेयर करें विषय विशेषज्ञों से संपर्क रखें, प्रश्न भी अवश्य पूछें। श्री जैन ने कहा कि यह संवाद कार्यक्रम सागर जिले में ही नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में पहला कार्यक्रम है जब कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अभिभावक बनकर बच्चों से उनके तनाव के संबंध में चर्चा की और उनको दूर करने के प्रबंधन के संबंध में बताया। जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा आज जो छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम रखा गया यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश में पहला संवाद कार्यक्रम होगा जब आज कलेक्टर के द्वारा अभिभावकों की तरह सोचकर उनके तनाव को दूर करने की बात की इस अवसर पर सीएम राइस विद्यालय क्रमांक-1 सागर की कक्षा 12वीं की छात्रा अन्वी ठाकुर ने संवाद करते हुए कहा कि असफल होने पर क्या करना चाहिए ,क्या नहीं करना चाहिए, किसका सपोर्ट लेना चाहिए, किसका नहीं। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बड़े ही मार्मिक रूप से दोनों प्रश्नों के उत्तर दिए जिससे सभी बच्चे संतुष्ट हुए। उत्कृष्ट विद्यालय सागर की कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी कोमल गोस्वामी एवं कुमारी प्रांसी गोस्वामी ने, महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय क्रमांक 2 की छात्रा कुमारी निशा मकरानी, कुमारी प्रकृति वर्मा, कुमारी शरमीन खान, बेसिल स्कूल के छात्र श्री वरुण अरोड़ा, आर्मी पब्लिक स्कूल की छात्रा अपेक्षा गोस्वामी ने भी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से संवाद किया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। संवाद कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की मनोचिकित्सक डॉ. सोनू चौबे ने छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग की। प्राचार्य श्रीमती कल्पना शर्मा ने संवाद कार्यक्रम का संचालन किया एवं अपने विचार व्यक्त किये। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से कुमारी शालू शर्मा ने छात्र-छात्राओं को तनाव मुक्त रहने के लिए सुझाव दिए। इस अवसर पर जिला शिक्षा केंद्र के श्री पंकज शर्मा, अतिरिक्त परियोजना अधिकारी श्री यशवर्धन चौबे, श्री कमलेश चढ़ार सहित शिक्षक मौजूद थे। तनाव मुक्त रहने के लिए आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में सीएम राईज शास. कन्या उमावि एमएलबी क्र 01 विखं सागर, शासकीय कन्या उमावि एमएलबी क्रमांक-2 विखं सागर, शासकीय उत्कृष्ट उमावि सागर, शास. बालक हाईस्कूल गोपालगंज, शासकीय हाईस्कूल काकागंज विखं सागर, शासकीय उमावि बाघराज तिली, शासकीय उमावि पुरानी सदर, शासकीय उमावि बरारु ,अशासकीय एमानुअल उमावि, अशासकीय सरस्वती शिशु मंदिर रमझिरिया विखं सागर, आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4,केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, टैगोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पर्ल पब्लिक स्कूल, वात्सल्य स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

पाकिस्तानी वायुसेना के इस अड्डे को उड़ाने की आतंकियों की साजिश, 9 उग्रवादी गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने एक बड़े आतंकी हमले की साजिश को समय रहते विफल कर दिया है। यह हमला कराची स्थित मसरूर एयरबेस को निशाना बनाकर किया जाना था, जो पाकिस्तान वायुसेना का एक रणनीतिक रूप से बेहद अहम ठिकाना है। खुफिया एजेंसियों ने 9 उग्रवादियों को गिरफ्तार कर इस हमले को टाल दिया। गिरफ्तार किए गए 9

में से 5 आतंकियों की पहचान अफगान नागरिकों के रूप में की गई है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये सभी एक महीने पहले अफगानिस्तान से पाकिस्तान में दाखिल हुए थे। पिछले एक महीने से ये आतंकी एयरबेस के पास के इलाकों में रहकर आसपास की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे और हमले की तैयारी कर रहे थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कराची में छापा मारकर आतंकियों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार किया। इनके पास से बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। एजेंसियों का मानना है कि ये सभी आतंकी मसरूर एयरबेस को एक बड़े धमाके से उड़ाने की योजना में जुटे हुए थे।

टीटीपी के बड़े नेता की साजिश

इस हमले की साजिश तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा रची गई थी। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इस पूरे ऑपरेशन की अगुवाई टीटीपी के एक सीनियर कमांडर कर रहा था, जो कुछ महीने पहले कराची में एक चीनी नागरिक की हत्या के बाद अफगानिस्तान भाग गया था।

पहले भी कर चुके हैं हमले

टीटीपी इससे पहले भी कराची में बड़े हमले कर चुकी है। साल 2011 में पाक नौसेना के एयरबेस पर हमला, 2014 में कराची डॉकयार्ड और कराची एयरपोर्ट पर आतंकी हमले इसी संगठन द्वारा अंजाम दिए गए थे। इन हमलों में काफी जान-माल का नुकसान हुआ था और देशभर में दहशत फैल गई थी। इस बार समय रहते साजिश का पर्दाफाश कर सुरक्षा एजेंसियों ने न सिर्फ एक बड़ी त्रासदी को टाल दिया है बल्कि एक बार फिर साबित कर दिया है कि आतंकी गतिविधियों पर नजर रखना और सही समय पर कार्रवाई करना कितना जरूरी है।

क्लिनिक की गलती महिला पर पड़ी भारी, अजनबी के बच्चे को दिया जन्म

ऑस्ट्रेलिया में एक महिला ने *IVF* क्लिनिक की बड़ी गलती के कारण एक अजनबी के बचे को जन्म दिया। क्लिनिक ने बताया कि एक मानवीय भूल के चलते महिला के गर्भ में किसी और का भ्रूण प्रत्यारोपित कर दिया गया था। मोनाश आईवीएफ नामक कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि यह गलती फरवरी में तब सामने आई जब ब्रिस्बेन स्थित क्लिनिक ने पाया कि जन्म देने वाले माता-पिता के पास एक से अधिक भ्रूण संग्रहित थे। जांच के दौरान पता चला कि किसी अन्य मरीज का भ्रूण गलती से महिला के गर्भ में डाल दिया गया था। बचे का जन्म 2024 में हुआ था।

मोनाश आईवीएफ, जो ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी आईवीएफ सेवा प्रदाताओं में से एक है, ने कहा कि अब तक की जांच में किसी और गलती के प्रमाण नहीं मिले हैं। कंपनी के सीईओ माइकल नैप ने कहा, हम इस घटना से बहुत दुखी हैं और इसमें शामिल सभी लोगों से दिल से माफी मांगते हैं। हम इस कठिन समय में मरीजों का समर्थन करते रहेंगे। कंपनी ने कहा कि 'कड़े लैब सुरक्षा प्रोटोकॉल' के बावजूद यह गलती हो गई और इस मामले की सूचना क्वींसलैंड के नियामक अधिकारियों को दी गई है। मोनाश आईवीएफ की स्थापना 1971 में हुई थी और इसके पूरे ऑस्ट्रेलिया में दर्जनों क्लिनिक हैं।

पिछले साल भी कंपनी को 700 से अधिक रोगियों द्वारा दायर एक सामूहिक मुकदमे का सामना करना पड़ा था, जिसमें आरोप था कि उनके क्लिनिक ने संभावित रूप से स्वस्थ भ्रूणों को नष्ट कर दिया था। इस मामले में क्लिनिक ने 5.6 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का भुगतान कर समझौता किया था। भ्रूण बदलने के ऐसे दुर्लभ मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, इज़राइल और यूरोप में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। हाल ही में अमेरिका के जॉर्जिया राय में एक महिला, क्रिस्टेना मरे, ने भी एक प्रजनन क्लिनिक पर मुकदमा दायर किया। मरे को बचे के जन्म के बाद इस गलती का अहसास हुआ, जब उसने देखा कि वह और शुक्राणु दाता दोनों श्वेत थे लेकिन बचा अश्वेत था। मरे ने बचे का पालन-पोषण करना चाहा, लेकिन कानूनी सलाह मिलने के बाद उसने स्वेच्छा से बचे को उसके जैविक माता-पिता को सौंप दिया।

अब इस देश में तीन भारतीय नागरिक गिरफ्तार, लगा है गंभीर आरोप

काठमांडू: काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन भारतीय नागरिकों को मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने यह जानकारी दी।

नेपाल पुलिस के समाचार बुलेटिन के अनुसार, पुलिस ने बृहस्पतिवार रात काठमांडू हवाई अड्डे से भारतीय नागरिक इरफान अहमद कसालीपराम्बिल बशीर (25) को गिरफ्तार किया और उसके पास से 10 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया। वह थाई एयरवेज की उड़ान से बैंकॉक से काठमांडू पहुंचा था। इरफान को उस समय गिरफ्तार किया गया जब सुरक्षाकर्मियों ने उसके सामान की जांच की और उसमें मादक पदार्थ बरामद हुए।

वहीं, एक अन्य घटना में पुलिस ने बृहस्पतिवार दोपहर भारतीय नागरिक राम कुमार (31) और पदिनहर चंदीपुराय जेएल (35) को हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 26 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया। ये दोनों भी बैंकॉक से काठमांडू पहुंचे थे। रामकुमार के पास 11 किलोग्राम से अधिक गांजा था जबकि पदिनहर के पास 14 किलोग्राम से अधिक गांजा था। पुलिस ने उनके सामान की सुरक्षा जांच के दौरान मादक पदार्थ बरामद किए।

वक्फ संशोधन बिल पर सियासी घमासान

मायावती ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

नेशनल डेस्क. वक्फ अधिनियम को लेकर देश में राजनीति तेज़ हो गई है। संसद में इस बिल के पारित होने के बाद मुस्लिम समुदाय में रोष देखने को मिल रहा है। वहीं, विपक्ष के भीतर भी इस पर मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। जहां एक ओर वक्फ संशोधन बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय में गहरी चिंता है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष के नेता भी एकमत नहीं दिख रहे हैं। मायावती की ओर से राहुल गांधी पर सवाल उठाने से साफ है कि विपक्षी एकता की राह अभी भी कठिन है। अगर आप चाहें तो मैं इस पर एक छोटा वीडियो स्क्रिप्ट, सोशल मीडिया पोस्ट या विश्लेषणात्मक लेख भी तैयार कर सकता हूँ।

मायावती का तीखा हमला- कांग्रेस और बीजेपी दोनों दोषी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल के मसले पर कांग्रेस की भूमिका भी संदेहास्पद रही है।

राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल

मायावती ने खास तौर पर राहुल गांधी की लोकसभा में चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा- वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में हुई लंबी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा कुछ नहीं बोलना, अर्थात सीएए की तरह संविधान उल्लंघन का मामला होने के विपक्ष के आरोप के बावजूद इनका चुप्पी साधे रहना क्या उचित है? मायावती ने

यह भी कहा कि इस चुप्पी की वजह से मुस्लिम समाज में आक्रोश और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में बेचैनी स्वाभाविक है।

धार्मिक अल्पसंख्यकों को किया सचेत

मायावती ने देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों से भी सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने ही बहुजन समाज और अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है।

उन्होंने कहा

देश में बहुजनों के हित, कल्याण एवं सरकारी नौकरी व शिक्षा में आरक्षण के अधिकार को निष्प्रभावी बनाया गया है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियां इसके लिए बराबर की दोषी हैं।

प्राइवेटाइजेशन और जन कल्याण पर चिंता

बसपा प्रमुख ने सरकारी विभागों में बढ़ते निजीकरण पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से संवैधानिक दायित्वों को निभाने की मांग की। बिजली और अन्य विभागों में निजीकरण बढ़ रहा है, जिससे आम जनता पर असर पड़ रहा है। भाजपाइयों को कानून हाथ में लेने की छूट मिली हुई है।*

सरकार को समय देने की सलाह दी थी- मायावती

मायावती ने पहले भी केंद्र सरकार से अपील की थी कि वक्फ संशोधन बिल को जल्दबाज़ी में पास न किया जाए। उन्होंने कहा था कि जनता को बिल की जानकारी और समझ का अवसर देना चाहिए था। सरकार अगर जनता के संदेह दूर कर पारदर्शी तरीके से बिल लाती, तो बेहतर होता। अब अगर इसका दुरुपयोग होता है तो पार्टी मुस्लिम समाज का साथ देगी।

राहुल गांधी का बयान- संविधान विरोधी बिल

हालांकि, राहुल गांधी ने बाद में इस बिल की आलोचना की और कहा कि यह धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में बीजेपी और आरएसएस अन्य अल्पसंख्यक समुदायों - जैसे सिखों और ईसाइयों - के अधिकारों को भी निशाना बना सकते हैं।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांडः ताबड़तोड़ 16 गोलियां, 8 डायरेक्ट सीने में, दलह उठा पूरा दिल्ली..., किसने दी सुपारी?

नेशनल डेस्क. दिल्ली, एक बार फिर गोलियों की गूंज से शुक्रवार को कांप उठी। सुबह-सुबह जिम के लिए निकले एक नामी प्रॉपर्टी डीलर को उस वक्त मौत ने घेर लिया जब किसी को अंदाजा तक नहीं था कि चंद सेकंड में सब कुछ बदलने वाला है। ताबड़तोड़ 16 गोलियां चलीं, जिनमें से 8 सीधा सीने में लगीं। सड़कों पर सन्नाटा था लेकिन गोलियों की आवाज ने सबको दहशत में ला दिया। सवाल ये नहीं कि गोली किसने चलाई, असली सवाल ये है— किसने सुपारी दी? राजधानी के पश्चिम विहार इलाके में हुई इस खौफनाक हत्या ने सिर्फ एक ज़िंदगी नहीं छीनी, बल्कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच में सामने आ रही परतें ये इशारा कर रही हैं कि ये कोई साधारण हत्या नहीं, बल्कि पूरी तरह से प्लान की गई सुपारी किलिंग है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ चौंकाने वाला खुलासा

राज कुमार दलाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया। रिपोर्ट के मुताबिक हमलावरों ने कुल 16 राउंड फायरिंग की जिनमें से 8 गोलियां सीधे उनके सीने में धंस गईं। यह हमला इतना योजनाबद्ध था कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

प्लानिंग के तहत खरीदी गई कार

पुलिस जांच में यह सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने से चार दिन पहले बदमाशों ने करोल बाग स्थित एक डीलर से 2012 मॉडल की एक कार खरीदी थी। यह गाड़ी शुभम नाम के युवक के नाम पर खरीदी गई थी लेकिन अभी तक उसका *RTO* में रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ था। हत्या के दौरान इसी कार का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने डीलर के ऑफिस से *CCTV* फुटेज जब्त कर लिए हैं और शुभम की तलाश शुरू कर दी गई है। एक टीम हरियाणा के यमुनानगर रवाना की गई है।

क्या थी हत्या की असली वजह?

पुलिस को शक है कि हत्या की वजह छह करोड़ रुपये की एक विवादित प्रॉपर्टी हो सकती है। जानकारी के अनुसार राज कुमार दलाल हाल ही में टिकरी इलाके में इस जमीन की खरीदारी में लगे थे। यह जमीन पहले से विवादों में चल रही थी और हो सकता है इसी के चलते किसी ने उनकी हत्या की साजिश रची हो। परिजनों ने किसी से निजी रंजिश से इनकार किया है लेकिन पुलिस इस दिशा में गहराई से जांच कर रही है।

क्या सुपारी देकर कराई गई हत्या?

पुलिस सूत्रों की मानें तो इस हत्या के पीछे सुपारी किलिंग की आशंका है। जिस तरह से हमलावरों ने वारदात को अंजाम दिया, वह दर्शाता है कि वे पेशेवर थे। पहले रेकी की गई, फिर समय का चुनाव ऐसा किया गया जब सड़कें सुनसान थीं। इसके बाद 16 राउंड फायरिंग कर आरोपी फरार हो गए। जांच टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि सुपारी किसने दी और उसका मकसद क्या था।

अमेरिका में फिर विमान हादसा, अब दक्षिण फ्लोरिडा में प्लेन क्रैश, 3 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्कः दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राय फ्लोरिडा में बोका रैटन क्षेत्रीय हवाई अड्डे के पास शुक्रवार की सुबह एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार तीन लोगों की मौत हो गई और जमीन पर मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया।

अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने एक बयान में कहा, फ्लोरिडा के बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद शुक्रवार, 11 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 10-20 बजे सेसना 310 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में तीन लोग सवार थे। बयान में

कहा गया कि विमान तल्हासी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था।

बोका रैटन फायर रेस्क्यू असिस्टेंट चीफ माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में सवार तीन लोगों की मौत हो गई और जमीन पर मौजूद एक व्यक्ति को चोटें आई हैं। उन्होंने कहा, जमीन पर मौजूद एक सजन मलबे और आग के कारण एक पेड़ से टकरा गए।

उन्होंने कहा, यह जमीन पर मौजूद आग के गोले से हुआ था, वह जाहिर तौर पर आग के गोले के बीच से निकला। एफएए ने बयान में कहा कि एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोड (एनटीएसबी) इस घटना की जांच करेंगे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विमान में दुर्घटना से कुछ मिनट पहले ही यांत्रिक समस्याओं की सूचना मिली थी, जो बोका रैटन हवाई अड्डे और अंतररायीय 95 से बहुत दूर नहीं हुई थी।

गौरतलब है कि यह घटना न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन में हडसन नदी में एक पर्यटन हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के ठीक एक दिन बाद हुई, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569